उसकी उपस्थिति में

धन्यवाद आपको, भाई नेविल, प्रभु आपको बहुतायत से आशीषित करें।

और मित्रों शुभ संध्या, यह एक बहुत ही सौभाग्य की बात है कि इस भवन आज रात्रि फिर से वापस आये हैं, और कभी ना असफल होने वाली प्रभु की उपस्थिति जैसे उसने प्रतिज्ञा दी है, अनुभव कर रहे हैं। और अब, मैं जानता हूं कि आप में से बहुत से आज रात्रि के छोटे से संदेश के लिए रुके हैं, जिसके लिए मैं बहुत ही धन्यवादित हूं। और आप में से बहुतों को अब भी आज रात्रि दूर गाड़ी चला कर जाना है, कुछ ने अपना मोटल छोड़ दिया है जैसा मैं समझता हूं। और हम ये कोशिश करने जा रहे हैं कि आपको अधिक ना रोके, इसलिए यही कारण है हम जल्दी आये हैं ताकि हम जल्दी निकल सके।

2 और अब हम जितनी जल्दी हो सकता है करेंगे, मैं घोषणा करूंगा हम कब आरंभ करने जा रहे, दोपहर बाद मेरे पास कुछ टेलीफ़ोन आये ये जानने के लिए कि हम कब इन पुस्तको पर आरंभ करने जा रहे थे, या यह अध्याय। और मैं सोचता हूं, यदि प्रभु ने चाहा, मैं अगली बार लेना चाहता हूं, जो हम प्रकाशितवाक्य की सात मोहरों पर आरंभ करते हैं और सात स्वाभाविक मोहरे। और यदि हम समय में पूरा कर सके, पुस्तक के पीछे सात मोहरों को लेंगे देखिए, अब ये थोड़ा समय ले सकता है। देखिए, वहां सात मोहरे जो खुली हुई है, वहां सात विपत्तियां, सात तुरही वे सारे सात और वे मोहरे, हम पहले ले सकते थे, परंतु तब पुस्तक के पीछे सात मोहरों से मोहर बंद है। डेनियल ने आवाजे सुनी, गर्जने और लिखने के लिए मना कर दिया गया था। यूहन्ना को लिखने को मना कर दिया गया, परंतु यह पुस्तक के पीछे मोहरबंद है, ये है पुस्तक के सारे भेदों के पश्चात दे दिया गया और प्रगट किया गया। आप ध्यान दें, वहां डेनियल ने कहा, "वे भेद इन शब्द देने के दिनों में परमेश्वर के भेद इस समय के चलते खुल जाने चाहिये," देखिए, "वे भेद," परमेश्वर कौन है, वह कैसे शरीर बना, ये सारी बातें इस समय में खुल जानी चाहिये। और फिर—फिर तब हम सात मोहरों के लिए जो पुस्तक के पीछे है उनके लिए तैयार है, यह यहां तक कि

मनुष्य पर प्रगट भी नही हुई, यहां तक कि बाइबिल में भी नही लिखी गई, परंतु वे सारी बाकी बाईबल से उनकी ठीक तुलना होनी है, और मैं सोचता हूं यह एक महान बात होगी।

3 इसलिये अब जल्द ही कोशिश करने जा रहे हैं कि इसको ले, आप लोगों कि कृपा के लिए आप सब को धन्यवाद, और—और आपकी उपस्थिति और और वह सब जो आपने किया, हम आपको धन्यवाद देते हैं। और अब मैं—मैं विश्वास कर रहा हूं कि आज रात्रि आपको अधिक देर तक नही रोकेंगे, क्योंकि बैठने में आप बहुत ही धैर्यवान है, खड़े होने में। मेरी पत्नी ने वहां पीछे कहा, बीती रात्रि के विषय में बात कर रही थी, उसने कहा, "मैंने महिलाओं को देखा जो बहुत भारी थी वहां खड़ी थी और वहां खड़े खड़े उनके कपड़े भीग रहे थे, और हर वचन को पकड़ रही थी।" यही कारण है मैं पवित्र आत्मा के अभिषेक में टीका रहना चाहता हूं जब आप बाहर आते हैं, आप लोगों को इमानदारी से सत्य को बताते हैं, देखिए और बस कुछ नही केवल सत्य। और तब वे उसमें टिक सकते हैं और ये ठीक होगा।

4 अब मैं आपसे कुछ क्षणों के लिए क्षमा चाहता हूं। इस सुबह मैं थोड़ा जल्दी चला गया। और इस समय में टेप बंद है, और मैं—मैं एक क्षण में मुझे बताया गया कि रिकार्डस को उन्हें कब शुरू करना है, मैं (काउंट डाउन) *उल्टी गिनती* को पूरा करना चाहता हूं, इसके लिए पांच मिनट, इसके पहले मैं छोडू। मैं भूल गया और चला गया, इस प्रात: मुझे इस प्रकार ले जाया गया यहां तक कि इस विषय में बिना कुछ कहे चला गया। परंतु, एक प्रकार से मैं आपको छोड़ गया, "उल्टी गिनती क्या थी? " समझे? मैं जानता हूं हम उल्टी गिनती में है, यदि आप नही जानते कि उल्टी गिनती क्या होती है तो आप एक प्रकार से भ्रमित हो गए। और इस प्रकार से मैं—मैं चाहूंगा कि इसे अलग कर दो, थोड़ा सा और उसी स्वर में कोशिश करूं जिसमें मैंने इस टेप को समाप्त किया इस समय ताकि टेप बाहर जाये *उलटी गिनती।* अब आप सब मुझे क्षमा करेंगे एक क्षण के लिए और मैं उस टेप को समाप्त करना चाहता हूं, क्या एक क्षण के लिए आप करेंगे, तब हम दूसरे वाले को आरंभ करेंगे? [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।] और अब—अब टेप रिकार्डस, यदि आप अपने टेप पर इसे सही ले लेंगे, अब।

[टेप पर खाली स्थान भाई ब्रन्हम 4–5 अनुच्छेद में इसकी व्याख्या

करते हैं, वे सुबह की सभा में छुटे हुए भाग को डालते हैं, जिसका शीर्षक (काउंटडाउन) *उलटी गिनती* है, अनुच्छेद 106–111 के समान—सम्पा।]

5 विभिन्न स्थानों से हाल ही में आ रहा हूं, और पिछले तीन संदेशों में हमारा एक महान समय रहा विभिन्न शिक्षाओं के—के विषय में बोला जा रहा था, और आदि–आदि, जो हमने सामने रखे थे। मुझे इस समय याद है मुझे थोड़ा सा समय देना था कि आप लोग अपने टेपों को बदल ले मैं आपको बता दूंगा कि कब आरंभ करने के लिए तैयार रहें। ठीक है। अब, मुझे इसका ध्यान रखना है। ये ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे औपचारिकता का झुंड बना है परंतु उन लड़कों को टेप पर लेना ही है और वे इस गड़बड़ी में नही ले सकते; यदि वे करते हैं, तो लोग बाहर इसे नही समझेंगे। इसलिए हमें इस प्रकार से लेना है। और यदि कोई कमरे से बाहर जायेगा और वहां से मुझे संकेत देगा, जूनियर, जब वे तैयार हो कि अपने टेप पलट ले। लोगों, आपका बहुत–बहुत धन्यवाद, मैं फिर से कहता हूं, आपकी सारी कृपा और सारी बातें। ठीक है, अब हम तैयार है, आप इन्हें आरम्भ कर सकते है।

6 प्रभु आपको आशीष दे। हम आज रात्रि फिर से इस आराधनालय में होने के लिये आनन्दित है। स्थान पूरा लोगो से भर गया है, आज रात लोग यहाँ–वहां खड़े हुए है, तीन दिनों के... या सेवा का तीन गुना। मैं चाहूंगा कि यदि कोई इस टेप को सुनता है कि वे इसे वापस लेना चाहे और पिछली रात्रि का टेप ले। अपने घर में इसका अध्ययन करें। यह—यह सेवा की वर्तमान स्थिति है जो प्रभु ने मुझे दी है। विशेषकर मैं चाहूंगा कि सेवकगण इसे सुने इसके पहले कि मैं उनकी कलीसिया में आऊं और उनके घरों में मैं आऊं। मैं उनके लिए चाहूंगा कि—कि वे इसे ले। अब इस प्रात: हमने *उल्टी गिनती* के विषय में बोला, कलीसिया निकलने के लिए तैयार है।

7 और अब आज रात्रि, परमेश्वर ने चाहा, हम "*उसकी उपस्थिति में*" के विषय पर बोलने जा रहे हैं। और, ओह, हम परमेश्वर के इस अवसर के लिए धन्यवादित है कि हम उसकी उपस्थिति में आ सकते हैं। परंतु, पहले, मैं चाहता हूं कि आप सब अपनी बाइबलो में मेरे साथ निकालें यशायाह भविष्यवक्ता का छठवां अध्याय यशायाह भविष्यवक्ता का। हम

सब जानते हैं कि यशायाह एक मुख्य भविष्यवक्ता है और अपने दिन का महान भविष्यवक्ता। उसका जीवन आरे से काटे जाने के साथ समाप्त हुआ, सामर्थी परमेश्वर की गवाही एक शहीद के समान। यशायाह की पुस्तक में छठवां अध्याय पढ़ने के लिए, मैं पांचवें पद से आरम्भ करता हूं। "तब मैंने कहा मैं, 'हाय मुझ पर!' क्योंकि... " हो सकता है मैं पहले पद से आरंभ करूं, एक क्षण के लिए मुझे क्षमा करें आइए पहले पद से आरंभ करें और आठवें पद तक पढ़े।

जिस वर्ष उज्जिय्याह राजा मरा, मैंने प्रभु को बहुत ही ऊंचे सिंहासन पर विराजमान देखा; और उसके वस्त्र के से घेरे से मंदिर भर गया।

उस से ऊंचे पर साराप दिखाई दिए: उनके छ:–छ: पंख थे; दो पंखों से वे अपने मुंह को ढांपे थे, और दो से अपने पांव को, और दो से उड़ रहे थे।

और वे एक दूसरे से पुकार–पुकारकर कह रहे थे, सेनाओं का यहोवा पवित्र, पवित्र, पवित्र है: सारी पृथ्वी उसके तेज से भरपूर है।

और पुकारनेवाले के शब्द से डेवढ़ियो की नेवे डोल उठी, और भवन धुएं से भर गया।

तब मैंने कहा, हाय! हाय! मैं नाश हुआ; क्योंकि मैं अशुद्ध होठवाला मनुष्य हूं, और अशुद्ध होठवाले... मनुष्यो के बीच रहता हूं: क्योंकि मैं ने सेनाओं के यहोवा, महाराजाधिराज को अपनी आंखों से देखा है!

तब एक साराप हाथ में अंगारा लिए हुए, जिसे उस ने चिमटे से वेदी पर से उठा लिया था मेरे पास उड़कर आया;

और उस ने उस से मेरे मुंह को छूकर कहा, देख, इस ने तेरे होठों को छू लिया है, इसलिए तेरा अधर्म दूर हो गया, और तेरे पाप क्षमा हो गए।

तब मैंने प्रभु का यह वचन सुना, मैं किस को भेजूं, और हमारी और से कौन जायेगा? तब मैं ने कहा, मैं यहां हूं; मुझे भेज।

8 प्रभु अपने इस वचन पर आशीष दे। मैं सोचता हूं कि यह बहुत ही प्रभावशाली वचन है। हम पाते हैं, परमेश्वर की उपस्थिति में मनुष्य अपने आप को पापियों के समान पहचानता है। हम बहुत अच्छा अनुभव कर सकते हैं अब जब हम बाहर विभिन्न स्थानों में होते हैं, और अनुभव करते हैं कि हम अच्छे लोग हैं, परंतु जब हम परमेश्वर की उपस्थिति में आते हैं, तब हम देखते हैं कि हम कितने छोटे हैं।

9 अधिक समय नही हुआ, मैं अपने एक—एक मित्र के साथ खड़ा हुआ था, जिसके लिए मेरा सौभाग्य था कि उसकी अगुवाई मसीह तक की, बर्ट कॉल, वहां न्यू हेम स्केर में एक शिकारी साथी, हम एक ठंडे पानी के झरने के पास खड़े थे, वहां एट्रीनोडेक पर और यह इतनी विशाल झरना है। बीते वर्ष मैं अपने परिवार को वह दिखाने को ले गया था वहां पीछे सड़क से हटकर आपको वहां पैदल चलना होता है कि वहां पहुंचे। और जब हम ने देखा कि वह हरा नीला पानी पहाड़ों पर से इतनी सामर्थ के साथ नीचे गिर रहा था और चट्टानों पर बाढ़ के समान गिरा रहा था, बर्ट ने वहां खड़े हुए मेरी ओर देखा, और उसने कहा, विस्मित भाव से बोला, "बिली यह मनुष्य को बहुत छोटा अनुभव करता है।" उसने एक उंगलियों के पोर से इंच को नापा, और मैंने कहा, "बर्ट, यह ठीक बात है।" अब, कुल मिलाकर यही है जो वह परमेश्वर की उपस्थिति में जान पाया, कि उसकी सृष्टि देखे।

10 मुझे आश्चर्य है जिस व्यक्ति ने यह लिखा *प्रभु कितना महान,* यदि रात्रि में उसने ऊपर नही देखा और सितारों को देखता है, वे कितनी दूर है! कुछ महीनों पहले, भाई फ्रेंड, भाई वुड और मैं, भाई मेक अनली के साथ एरीजोना के रेगिस्तान में खड़े थे, हम नाप रहे थे कि एक सितारा दूसरे से कितना समीप है। और ये करोड़ो–करोड़ो मील दूर है, और वे एक दूसरे से चौथाई इंच की दूरी पर भी नही लगते। तब हमने वैज्ञानिक प्रमाणों के साथ सोचना आरंभ किया कि वे सितारे संभवता: एक दूसरे से दूर है जितने कि हम उन से दूर। देखिए यह कैसे हैं?

11 तब हम अनुभव करते हैं कि हम कितने छोटे हैं, जब हम यह अनुभव करते हैं कि वह कितना महान है और हम उसके आगमन में उसकी उपस्थिति के कितने समीप है। किसी तरह या दूसरा, यह सदा लोगों पर एक महान प्रभाव डालता है कि परमेश्वर की उपस्थिति में आये। मैंने

अपनी सेवकाई में समय देखा है जब अब परमेश्वर की उपस्थिति को देखेंगे, ऐसे स्थान पर आती है कि यह व्यक्ति को उठाती है और उन्हें उनके जीवन को प्रगट करती है, उनके पापों को याद दिलाती है, सब प्रकार के आचरणहीन व्यवहारों को और यह लोगों के बीच पवित्र सन्नाटा ले आता है, यहां तक कि वे प्रार्थना पंक्ति से निकल जाते हैं, इसके पहले कि वे कभी प्रार्थना करवाने आये और वेदी पर भागे और परमेश्वर के साथ सही हो जाये, इसके पहले कि वे उसकी उपस्थिति में आये। देखिए, उसकी उपस्थिति में आने के विषय में कुछ है, यह चीजों के घटने का कारण है। मैंने लोगों को चारपाई और स्ट्रेचरो पर पड़े हुए देखा है।

12 उस रात्रि मेक्सिको में, जब छोटा मृत बालक कंबल में लिपटा था, जिसे छोटी स्पेनिश मां लाई थी, या बल्कि, छोटी मेक्सिकन मां लाई, जब उन्होंने देखा, उन कई हजार लोगों ने देखा, हो सकता है पचास या पिछत्तर हजार एक बार की भीड़, छोटे मृत बालक को जीवित होते देखा, स्त्रियां बेहोश हो गई, लोगों ने अपने हाथ उठाएं और चिल्लाये। क्यों? उन्होंने अनुभव किया मनुष्य इन चीजों को नही कर सकता, कि वे सर्वशक्तिमान परमेश्वर की उपस्थिति में थे। और ये कुछ घटित होने का कारण हुआ।

13 मुझे यह सुअवसर मिला कि भक्त लोगों को बोलते हुए सुनु। एक बार चालर्स फ़िनी के द्वारा यह कहां गया, छोटे से कद का व्यक्ति एक सौ दस पाउंड से ऊपर का नही, परंतु वह इतने जोरदार ढंग से बोलता था, यहां तक... एक दिन वह भवन में आवाज (माईक) कि व्यवस्था को परख रहा था। तब उसके पास लोक प्रचार पद्धति नही थी। और एक व्यक्ति बालकनी में मरम्मत कार्य कर रहा था या उसकी छत पर और उसने सुना एक व्यक्ति अंदर आया, इसलिये उसे नही मालूम था कि वे कौन थे, वह बस शांत रहा। और श्री फिन्नी आवाज की व्यवस्था की जांच का यत्न कर रहे थे। बेदारी के लिए काफी समय प्रार्थना में बिताने के बाद, जो होने वाली थी, उसने अपनी आवाज को जांचने के लिए कि कैसे काम करेगी, वह तुरंत ही प्रचार मंच पर आये, और बोले, "प्राश्चित, या नाश!" और यह उसने ऐसे ताकत—ताकत के साथ कहा, परमेश्वर के अभिषेक में होते हुये, यहां तक कि वह व्यक्ति भवन की बालकनी के ऊपर से जमीन पर गिर पड़ा, भवन के ऊपर से फर्श पर।

14 उसने सुसमाचार को इस प्रकार से प्रचार किया, यहां तक कि वह

बोस्टन, मेसासुसेट में बड़ी खिड़की में खड़ा हुआ, क्योंकि वहां कोई आराधनालय नही था जो उस भीड़ को ले सके। और वह वहां ऐसी सामर्थ के साथ खड़ा हुआ और नरक को प्रचारा कि एक स्थान है यहां तक कि लोग अपने बगल में लगी टोकरियों से कार्य कर रहे थे सड़क पर गिर पड़े और दया के लिए रोये, परमेश्वर कि उपस्थिति में! महान प्रचारक जो परमेश्वर के वचन के द्वारा योग्य थे कि परमेश्वर की उपस्थिति को भक्तगणों के बीच में ले आये। यह बात मनुष्य से दूर रहे कि वह कभी इतना झुलस जाये, अपने ह्रदय में यहां तक कि वह कभी भी परमेश्वर की उपस्थिति को ना पहचाने; यह बात दूर रहे!

15 जब पहला मनुष्य, जैसे ही उसने पाप किया और कुछ गलत किया और जब परमेश्वर उसकी उपस्थिति में आया या वह परमेश्वर कि उपस्थिति में आया, "आदम" वह परमेश्वर की उपस्थिति में खड़ा ना हो सका। उसने भाग कर अपने आप को झाड़ी में छिपा लिया और अपने आप को अंजीर के पत्तों में ढापने की कोशिश की, क्योंकि वह जानता था वह यहोवा की उपस्थिति में खड़ा था। वह रचियता पहले मनुष्य की यह प्रतिक्रिया थी, उसके पाप करने के बाद जब उसने परमेश्वर की उपस्थिति में आने की कोशिश की, उस पाप के साथ जो उसके उसके प्राण पर था, वह छिप ना सका, क्योंकि वह अब भी कोमल था। पाप ने पकड़ा नही था जैसे आज उसने लोगों के ह्रदय में जड़ पकड़ ली है परंतु वह बहुत ही विवेकशील या कि वह रचियता की उपस्थिति में खड़ा था। अब उसने अपने आप को झाड़ियों में छिपा लिया, और बाहर आना ना चाहा, और बाहर नही आ सका जब तक परमेश्वर ने उसके लिए तैयारी ना कर ली।

16 हम वापस जाकर उत्पत्ति का 17 वा अध्याय ले सकते हैं, तीसरा पद, जब महान पूर्वज अब्राहम, जब वह परमेश्वर कि उपस्थिति में आया, और परमेश्वर उससे बोला (17 वें अध्याय में) सर्वशक्तिमान परमेश्वर के नाम में, अब्राहम मुंह के बल गिर पड़ा। वह महान पूर्वज परमेश्वर का दास, परमेश्वर की उपस्थिति में खड़ा ना रह सका, यद्यपि ईमानदारी से 25 वर्षों तक सेवा की परंतु जब परमेश्वर अपनी उपस्थिति के साथ आया, पूर्वज मुंह के बल गिर पड़ा, क्योंकि वह परमेश्वर की उपस्थिति में खड़ा ना रह सका।

17 निर्गमन 3 में हम पाते हैं, कि मूसा एक महान सेवक और परमेश्वर

का भविष्यवक्ता, जब वह वहां पीछे रेगिस्तान में था, वह मनुष्य एक पवित्र मनुष्य था। वह एक उद्देश्य के लिए जन्मा था। वह अपनी मां के गर्भ से एक भविष्यवक्ता होने के लिए जन्मा। उसने अपनी शिक्षा प्राप्त करने की कोशिश की, और हर काम किया कि वह अपने लोगों को छुड़ा सके, क्योंकि वह समझ गया था कि वह अपने लोगों का छुड़ाने वाला है, परंतु जब वह यह धर्म विज्ञान की दृष्टिकोण से समझ गया। वह प्रशिक्षित था। वह अच्छा ज्ञानी था, वह अच्छा ज्ञानी था, वह मिस्त्रियों को बुद्धि दे सकता या जो कि संसार के सबसे बुद्धिमान लोग थे, वह सारी ऊँच–नीच जानता था। वह वचन आरंभ से अंत तक जानता था। वह जानता था कि परमेश्वर ने क्या क्या प्रतिज्ञाये की है। वह उन्हें बुद्धि के स्तर से जान गया था और वह एक—एक महान सेनानायक था। परंतु एक दिन जब वह पीछे रेगिस्तान में था, वह परमेश्वर की उपस्थिति में आ गया, उसने अपनी जूती उतारी और उसके पैरों में गिर पड़ा, जानते हुए कि वह पवित्र भूमि पर था, वह अपने पैरों खड़ा नही हो सका, जब वह परमेश्वर की उपस्थिति में आया, वह अब्राहम के समान मुंह के बल गिर पड़ा, वह परमेश्वर की उपस्थिति में खड़ा नही रह सका।

18 निर्गमन 19:19 में, जब परमेश्वर के चुने हुए लोग, वहां पीछे अब्राहम के दिनों से, अब्राहम से इसहाक आया, इसहाक से याकूब आया और याकूब से पूर्वज आये, वर्षों–वर्षों बीतने के बाद पवित्र मनुष्य, महान मनुष्य, एक चुने हुए लोग, एक चुनी हुई जाति, एक पवित्र किए हुए, पवित्र लोग, अपने जीवन से प्रभु की सेवा की। और एक दिन परमेश्वर ने कहा, "वहां इस्राएल को एकत्र करो, मैं उनसे बात करने जा रहा हूं।"

19 परंतु जब परमेश्वर सीने पर्वत की चोटी पर आया, और सारे पर्वत पर आग लग गई, और उस पर से धुआँ भट्टी के समान उठ रहा था, और परमेश्वर की आवाज गर्जी। इस्राएली मुंह के बल गिर पड़े, और बोले, "मूसा ही बात करें, और परमेश्वर नही, कहीं हम मर जाये।" मनुष्य परमेश्वर की उपस्थिति में अनुभव करता है कि वह एक पापी है! जबकि हर कोई व्यवस्था के अनुसार खतने वाला था। उनके पास आज्ञायें और सारी चीजें थी, परंतु जब परमेश्वर बोला और वे उसकी उपस्थिति में आये, उन्होंने अपने आप को बाहर अनुभव किया था, वे—वे ठीक नही थे, वहां किसी चीज की कमी थी, क्योंकि वे परमेश्वर की उपस्थिति में थे। हां। और उन्होंने कहा,

"मूसा ही बात करें, परमेश्वर नही, क्योंकि यदि परमेश्वर बोला, तो हम सब मर जायेंगे, हम से मूसा ही बात करे।"

20 यह लुका 5:8 में था, कि जब पतरस... ओह जब वह एक महान हठीला मनुष्य था और एक बड़े प्रभाव वाला व्यक्ति एक महान शक्ति जो कि हम समझते हैं। वह एक घौस दिखाने वाला जैसा था, एक माना हुआ मछुआरा। परंतु जब उसने देखा कि परमेश्वर का एक आश्चर्य कर्म एक साधारण मनुष्य के द्वारा किया गया है, ऐसा दिखाई पड़ा जिसे उसने उस समय पहचाना और उसे मनुष्य से बढ़कर माना कि उन सारी मछलियों को जाल के अंदर ले आया, जहां कि वह, अपनी सारी शिक्षा मछली पकड़ने की सारी समझ के साथ पूरी रात, और एक भी चीज ना मिली। परंतु उसने किसी को कहते सुना, "अपने जाल डालो।"

21 और जब वह खींचने लगा, उसके पास बहुत ढेर सारी मछलियां थी उसने अनुभव किया कि वह एक पापी मनुष्य था। और उसने कहा, "ओह, प्रभु, मुझ से दूर चला जा, क्योंकि मैं एक पापी मनुष्य हूं।" यह किसने कहा? संत पतरस ने परमेश्वर की उपस्थिति में, परमेश्वर से कहता है कि उसकी उपस्थिति से चला जाये, क्योंकि उसने अपने आप को एक पापी के समान पहचाना।

22 अब्राहम ने अपने आपको पहचाना "गलत हूं।" आदम ने अपने आप को "गलत हूं," पहचाना, जो की परमेश्वर का पुत्र था। मूसा ने अपने को पहचाना "गलत हूं।" इस्राएल, एक कलीसिया के सामान और राष्ट्र के समान अपने को "गलत हूं," पहचाना। "मेरे पास से जा, क्योंकि मैं एक पापी मनुष्य हूं।" उसने यह कहने की कोशिश नही की, "अब, मैं पवित्र और योग्य हूं कि इसको लू।" उसने कहा, "मैं पापी मनुष्य हूं।"

23 एक बार एक अपने ही प्रकार के धर्मी ने सारे धर्म विज्ञान, जो वह एक महान शिक्षक की अधीनता में सीख सका जो गेमलियल कहलाया, उसका नाम तारसुस का शाऊल था, जिसे हम पौलुस के समान जानते हैं, अक्षर–अक्षर से धर्मी वह अपने धर्म के सारे अंदर और बाहर को जानता था, वह फरीसियों का फरीसी और इब्रानियों का इब्रानी था। वह एक जाना–माना मनुष्य, एक ज्ञानी, तेज, चालाक, शिक्षित और दावा था कि वह परमेश्वर को बालकपन से जानता था। परंतु एक दिन दमिश्क की राह पर वह अग्नि स्तंभ उसके ऊपर चमका और वह गिर पड़ा... पैरों पर आ गया, जमीन

पर धूल में, और बोला, “प्रभु आप मुझसे क्या करवाना चाहते हैं? ” और उसकी सारे बड़े प्रशिक्षण, उसके महान धर्म विज्ञान के प्रशिक्षण, उसकी शिक्षा का कोई मतलब नही निकला, जब वह परमेश्वर की उपस्थिति में खड़ा हुआ।

24 मैं यहां एक मिनट के लिए रुकना चाहता हूं और कहता हूं यह वही बात है, आपके पास डी.डी., पीएच.डी, हो सकती है, आप जो भी हो सकते हैं, हो सकता है आप बालकपन से आराधनालय जाते हो, और आपने सारे धार्मिक क्रिया कलाप किए हो, परंतु एक बार परमेश्वर की उपस्थिति में आप अपने को बहुत ही छोटा अनुभव करोगे और कोई गिनती नही।

25 पौलुस ने अनुभव किया कि वह गलत था और वह भूमि पर गिर पड़ा सामर्थ के प्रभाव में। जब उसने ऊपर देखा और उस परमेश्वर को देखा कि जिसका वह प्रचार कर रहा था, और... विरोध और विचार वह जान गया, और देखा कि वह गलत था, वह पैरों के बल जमीन पर गिर पड़ा, क्योंकि वह परमेश्वर की उपस्थिति थी। उसने वहां अग्नि स्तंभ देखा।

26 उस महान संत यूहन्ना के विषय में क्या है, प्रकाशितवाक्य 1:7 का, जब उसे दर्शन दिखाया गया, और उसने देखा, और एक आवाज को उससे बातें करते सुना। और वह आवाज को देखने के लिए पीछे घुमा और सात सोने के चिराग दान देखें। और एक को सोने के सात चिराग दानों के बीच में खड़ा हुआ देखा ऊन के से बालों के साथ, आंखें अग्नि के ज्वाला के समान पांव पीतल के खम्भों के समान, कमर में और छाती पर सोने का पटुका और वह परमेश्वर का वचन कहलाया। और जब वह महान संत यूहन्ना मसीह के साथ चला, उसकी छाती की ओर झुका हुआ, जब उसने यह सारी चीजें की! जैसा कि मैंने इस प्रात: कहां, पौलुस की सेवा इनमें से किसी से भी अधिक थी। यहां, जब यूहन्ना यीशु के साथ साथ चला, उसके साथ बातें की, उसके संग सोया, उसके संग खाया, परंतु जब उसने उसे वहां खड़े हुए देखा, उस महिमामय स्थिति में, उसने कहा, वह एक मरे हुए के समान, उसके पैरों पर गिर पड़ा। आमीन। इस पर विचार करें!

27 हम कलीसिया में आ सकते है और बात कर सकते है और परमेश्वर की स्तुति, परंतु, ओह, भाई, जब हम उसे आते देखते हैं, हमारे ह्रदयो में कुछ भिन्न होता है! हम सोच सकते हैं हम आराधनालय जाकर अपना धार्मिक कर्तव्य पूरा करते हैं और अपना दशवंश देते हैं। हम सोच सकते

हैं कि हम आराधनालय की व्यवस्था को पूरा करते हैं, और अपने मतसार को दोहराते हैं, परंतु हम एक बार उसकी ओर देखें सारी बातें आस–पास की बदल जाती है। जी हां, निश्चित ही!

28 यह महान पुरुष, संत यूहन्ना, इस प्रकार का एक महान पुरुष बाईबल ने प्रकाशितवाक्य 1:7 में कहा, कि "वह एक मृतक के समान गिर पड़ा।" यीशु मसीह के साथ साढ़े तीन वर्ष संगति करने के बाद पत्री का एक लेखक रहा, जो उसके बाद लिखी, मेज पर उसके साथ बैठ कर खाया, चारपाई पर उसके साथ सोया, जहां कहीं वह गया उसके साथ साथ रहा, परन्तु जब वह उसे देखने के लिये पीछे मुड़ा, उसमें कोई जीवन नही बचा। वह एक मृतक पुरुष के समान फर्श पर गिर पड़ा याने जमीन पर। ठीक है।

29 हम यशायाह को देखते है, यशायाह 6:5 में, जैसा कि हमने अभी पढ़ा यह महान सामर्थी भविष्यवक्ता, वह एक महान भविष्यवक्ता वह बाईबल में है। बाईबल में 66 पुस्तकें है; यशायाह में 66 अध्याय है, यशायाह उत्पत्ति में आरंभ होता है और यशायाह के बीच में वह नए नियम को लाता है और यशायाह के अंत में वह सहस्त्रशताब्दी को लाता है; बिल्कुल ठीक उत्पत्ति, नया नियम और प्रकाशितवाक्य। सिद्ध! यशायाह मुख्य भविष्यवक्ताओं में से था। परंतु एक दिन उसका झुकाव उज्ज़ियाह की ओर होने लगा एक महान राजा, उससे उज्ज़ियाह ले लिया गया और वह उदास था, वह एक अच्छा भला व्यक्ति था, वह एक अच्छा धार्मिक मनुष्य था, यदि वह धर्मी राजा (एक अच्छा राजा) उसे एक पवित्र मनुष्य के समान समझता था, और उसे उसके मंदिर में रखा।

30 यशायाह ने दर्शन देखें। वह एक भविष्यवक्ता था। यशायाह ने वचन प्रचार किया। वह एक सेवक था। यशायाह एक पवित्र मनुष्य था। परंतु एक दिन, मंदिर में खड़े हुए, वह भाव समाधी में चला गया और उसने परमेश्वर की महिमा को देखा। उसने स्वर्गदूतों को पंखों से मुंह ढापे हुए देखा, उनके पैरों पर पंख, पंखों से उड़ते हुए पुकार रहे थे, "पवित्र, पवित्र, पवित्र प्रभु परमेश्वर सर्वसामर्थी!"

31 उस भविष्यवक्ता ने अनुभव किया कि वह कुछ नही था। उसने कहा, "हाय मुझ पर, मैं अशुद्ध होठों वाला पुरुष हूं।" एक भविष्यवक्ता, बाईबल का एक सामर्थी भविष्यवक्ता, उनमें से एक, "मैं एक अशुद्ध होठो वाला

पुरुष हू और अशुद्ध होठों वाले लोगों के बीच में रहता हूं। मुझ पर हाय, क्योंकि मैंने परमेश्वर की महिमा को देखा।"

32 और उसने कहा, जब उस दूत ने पुकारा, "मंदिर के खंभे आगे–पीछे हिल गए।" भाई, यह आप को कर देगा... मंदिर के केवल खंबे ही नही हिल रहे थे, परंतु समस्त स्वर्ग और पृथ्वी हिलने जा रहे हैं जब वह फिर से आ रहा है। पहाड़ भाग जायेंगे, समुंदर जाता रहेगा, और चिल्लाहट, "हमें उसके सामने से छिपा लो, जो उस सिंहासन पर बैठा है।" यह एक भयानक समय होने जा रहा है। पापी मित्रों, मैं आपको बता रहा हूं अच्छा हो कि जांच लो। यह ठीक बात है।

33 अब, यशायाह ने कहा, "हाय मुझ पर, मैं अशुद्ध होठों वाला मनुष्य हूं, और मैं अशुद्ध लोगों के बीच में रहता हूं। और मैं, ये लोग अशुद्ध होठों वाले हैं।"

34 अब स्मरण रखें, यदि इस प्रकार के पवित्र लोग अपने आपको "पापी" है करके पहचानते हैं, परमेश्वर की उपस्थिति में तो फिर पापी और अधर्मी का उस दिन क्या होगा? उस दिन लोग क्या करेंगे, जो सभाओ में बैठते हैं? वे लोग क्या करेंगे, जिन्होंने परमेश्वर की सामर्थ को देखा है, जिन्होंने वचन पर उल्टी गिनती सुनी है, जिसने स्वयं परमेश्वर को प्रगट होते हुए देखा है, और (किसी भी सन्देह से परे) हर वचन पूरा हुआ है और फिर भी यत्न करेगा कि बिना नया जन्म पाए और बिना पवित्र आत्मा पाए स्वर्ग चला जाये? बाईबल ने कहा, "यदि धर्मी मनुष्य कठिनता से बचा है, तो फिर पापी और अधर्मी कहां होगा? " हम किस प्रकार से स्थान में खड़े होने जा रहे हैं, यदि हम परमेश्वर को अपने सामने प्रगट होते हुए देखते हैं और परमेश्वर की महिमा को देखते हैं, वैसे ही जैसे उन मनुष्यो ने किया और उस प्रकार के मनुष्य चिल्ला उठे, भविष्यवक्ता और संत जिन पर आकर वचन आधारित हुआ? यदि वे चिल्लाए, और अपने पैरों पर गिर गए और चिल्लाए, "मैं अशुद्ध होठों वाला मनुष्य हूं, अशुद्धता," तो फिर यह उस मनुष्य के लिए क्या होगा जिसने अपने पाप तक स्वीकार नही किए? यह नव युवकों के लिए क्या होगा जिस लड़के या लड़की ने अपने पाप स्वीकार नही किए? उस कठोर हृदय मनुष्य के लिए क्या होगा जो सोचता है, मैं परमेश्वर की सृष्टि के विषय में बहुत कुछ जानता हूं, जो परमेश्वर स्वयं जानता है? उस

मनुष्य का क्या होगा, जिसने अपना जीवन बाईबल को गलत सिद्ध करने में लगा दिया? वह व्यक्ति कहां होगा? इस पर सोचें!

35 यह सुसमाचार फैलाना है। यह लोगों को झकझोरने का समय है। यह वह समय है कि परमेश्वर ने कहा कि एक समय आयेगा, उसने एक बार सीने पर्वत को हिला दिया, परंतु एक हिला दिया जाना फिर आयेगा कि वह "केवल सीने पर्वत ही को ही नही हिलाएगा, परंतु वह हर चीज को हिला देगा जो हिल सकती है।" परंतु क्या आपने ध्यान दिया, बाकी वचन? "परंतु हम एक राज्य पाते हैं जो हिलाया नही जा सकता!" हालेलुया! हर चीज जो हिलाई जा सकती है हिलेगी। आकाश हिलेगा। पृथ्वी हिलेगी। "आकाश और पृथ्वी टल जायेंगे, परंतु वह वचन कभी नही टलेगा, क्योंकि इस चट्टान पर मैं अपनी कलीसिया बनाऊंगा, और अधोलोक के फाटक इस पर कभी भी प्रबल ना हो पायेंगे।" हर चीज जो हिल सकती है, हिलाई जायेगी। परंतु हम एक राज्य पाते हैं जो स्वयं परमेश्वर का वचन होगा और परमेश्वर अपना ही वचन है, वह स्वयं को नही हिलाता। आमीन! ओह, प्रभु! "परंतु हम एक राज्य पाते हैं, जो हिलाया नही जा सकता," यह ना हिलने वाला है, पौलुस जो इब्रानियों का लिखने वाला है, उसने कहा है।

36 इस प्रकार का व्यक्ति, इस प्रकार का पुरुष, उस प्रकार का समय और उन्होंने कैसा अनुभव किया! हम भी अपने में, हमने परमेश्वर की महिमा को, उन पुरुषों के समान देखा। निश्चय ही। हमने ये देखा हमने परमेश्वर की महिमा को अब्राहम के समान देखा, हमने परमेश्वर की महिमा को देखा जैसे मूसा ने देखा, वही अग्नि स्तंभ, वही परमेश्वर की सामर्थ वही मसीह... स्वयम को प्रगट कर रहा है, अपने आपको दिखा रहा है, अपने वचन को अंत में के दिन में पूरा कर रहा है। तब हम कैसे इसके पास आकर, और चले और इसके साथ हल्के में व्यवहार करें? हम कैसे इसके चारों ओर घूम सकते और अपने मतसारो और नामधारियों को पकड़े रहे, और परमेश्वर के वचन को ना ले? उस दिन में यह हमारे लिए क्या होगा? यह हमारे साथ कैसा होगा, जब हमने परमेश्वर की महिमा को देखा है?

37 कुछ लोग दूर खड़े हुए होंगे और वे इसका उपहास उड़ाते हैं, कुछ इस पर हंसेंगे, कुछ इसे धर्मान्धता कहेंगे, कुछ इसे मस्तिष्क का पढना कहते हैं, कुछ इसे बालजबूब यह या वह कहते हैं, जैसा कि पुरानी कहावत है, "मूर्ख चुभने वाली कील के जूते में चलेंगे, जहां स्वर्गदूत चलने से डरते हैं।"

यह ठीक बात है। "मूर्ख ने अपने मन में कहा, 'कोई परमेश्वर नही है।'" जब वह परमेश्वर को उसके अपने सिद्ध वचन में प्रगट होते हुए देखता है (ना कि मतसार के द्वारा; परंतु उसके वचन के द्वारा), और फिर इसको रौंदते हुए निकल जाता है, और इसका उपहास उड़ाता है, वह एक मूर्ख है। क्योंकि, ये, परमेश्वर वचन है और परमेश्वर ने अपने आप को उस पर स्पष्ट कर दिया और वह एक "मूर्ख" है, बाईबल ने कहा। इसके लिए यह क्या होगा, जब उसे उस स्थान में खड़ा होना पड़ेगा? यह—यह उस पुरुषों के लिए भयानक होगा उस दिन, वह अधर्मी।

38 यद्यपि प्रायश्चित किए हुए पापी, कोई भय नही है। ओह, नही। एक पापी जो प्रायश्चित करेगा वह जानता है कि वहां एक लहू लहान बलिदान उसकी प्रतीक्षा कर रहा है, कि उसके स्थान पर खड़ा हो, यही जो मुझे सांत्वना देता है, मैंने परमेश्वर की महिमा को देख लिया है, मैंने उसकी सामर्थ का अनुभव किया है मैं उसके हाथ के स्पर्श को जानता हूं, मैं उसकी ताडना को जानता हूं, मैं जानता हूं कि वह परमेश्वर है। और मैं जानता हूं मैं अधूरा हूं, परंतु वहां एक मेरे लिए खड़ा है। आमीन। वहां एक है, जो वहां खड़ा हुआ, और कहता है, "पिता, उसका सारा अधर्म मुझ पर डाल दे, क्योंकि पृथ्वी पर मेरे लिए खड़ा हुआ है।" हाल्लेलुय्या! तब मैं परमेश्वर के सिंहासन के समीप हियाव से जाता हूं, अपने ह्रदय में अनुग्रह लिए हुए, ये जानते हुए कि यह अच्छे कार्यों से नही है, परंतु उसके अनुग्रह से मैं बच गया। ना कि जो मैं कर सकता हूं, जिसका मैं दस्य हो सकता हूं, जो मैं कह सकता हूं; परंतु यह उसके अनुग्रह के द्वारा कि उसने मुझे बचा लिया है।

39 कोई आश्चर्य नही वह कवि जिसने यह पकड़ा कि चिल्ला उठा, "आश्चर्यजनक अनुग्रह, कितना मीठा सुन पड़ता है, जिसने मुझ जैसे अभागे को बचा लिया। एक समय में खोया हुआ था परंतु अब मुझे ढूंढ लिया; अंधा था, परंतु अब मैं देखता हूं"

40 मैं कैसे स्वर्ग को जा सकता हूं? आप कैसे स्वर्ग को जा सकते हैं? हम यह नही कर सकते, हम, और हमारे करने के लिए कोई मार्ग नही है, परंतु एक है मार्ग बनाया, और वह एक मार्ग है और हम उसके पास कैसे पहुंच सकते हैं? एक आत्मा के द्वारा, उसका आत्मा, हमने एक ही देह में बपतिस्मा लिया, जो कि एक परिक्रमा के द्वारा जी उठेगी, हम पृथ्वी से बाहर निकल जायेंगे एक इस दिन के अंतरिक्ष यात्री के समान परमेश्वर का

विश्वास अंत के इस दिन का। आमीन। निश्चय ही प्राश्चित किये पापी को चिंता नही करनी है, कोई वहां उनके स्थान पर खड़ा है।

41 ओह, तब इसके बाद जब हम उसकी उपस्थिति में आ गए है, अब हमने उसे चीजों को करते देखा है, जो उसने तब की, जब वह इस पृथ्वी पर था। आप कैसे जानते हैं कि... आप कैसे जानते हैं, वह दाख जिसकी ओर आप देख रहे हैं? क्योंकि जो फल उस पर लगे हैं, आप कैसे जानते हैं, जो कलीसिया जिसमें आप जाते हैं? उस फल के द्वारा जो उस पर लगता है। यीशु ने कहा, "वह जो मुझ पर विश्वास करता है, जो काम मैं करता हूं, वह भी करेगा, विश्वास करने वालों के यह चिन्ह होंगे।"

42 अब, हम देखते हैं, उसने हमें इसके लिए कभी अभिषेक नही किया कि हम नामधारी बनाये उसने हमें इसके लिए कभी अभिषेक नही किया कि हम जाकर मतसार बनाये, परंतु उसने हमें इसके विरोध में चेताया है। "क्योंकि जो कोई इसमें से कुछ भी निकालेगा या इसमें मिलाएगा, उसके भाग में से वैसे ही जीवन की पुस्तक में से निकाल दिया जायेगा।" समझे?

43 हमें कुछ भी करने के लिए हमारा अभिषेक नही किया गया सिवाये कि उस वचन के साथ बने रहे, यदि एक पुरुष परमेश्वर की ओर से भेजा गया है, वह परमेश्वर के वचन के साथ बना रहेगा, क्योंकि परमेश्वर वचन के द्वारा भेज सकता है। समझे? देखिये, उसे वचन के साथ बने रहना चाहिये। तब जब हम उसकी उपस्थिति में आते हैं, जब एक पुरुष एक बार परमेश्वर की उपस्थिति में आता है, वह सदा के लिए बदल जाता है, यदि उसमें कोई बदलाव है। अब, कुछ है जो परमेश्वर की उपस्थिति चल सके और कोई ध्यान नही दिया, इस पर। वह जीवन के लिए ठहराया ही नही गया। परंतु यदि वह पहले से परमेश्वर का चुना हुआ था, तो जैसे ही उस हलचल का पहला ही प्रभाव पड़ता वह इसे जान जाता। यह आग पकड़ जाता है।

44 उस छोटी वैश्या को देखें वहां उस दिन सामरिया में, वह स्त्री। वह बुरी दशा में थी दिमाग और शरीर से। हम ये जानते हैं, परंतु जैसे ही इसमें इस मसीहा के चिन्ह को होते देखा, वह बोली, "हम जानते हैं, इसे करने के लिए मसीहा आने वाला है। तुझे उसका भविष्यवक्ता होना चाहिये।"

उसने कहा, "मैं हूं वह मसीहा जिसके आने के लिए लिखा है।"

45 उसने यह पहचान लिया। उसने कभी भी कोई प्रश्न नही पूछा। उसने अपनी जिम्मेदारी को तुरंत आरम्भ कर दिया, यह जानते हुए कि यदि उसने यह पा लिया और परमेश्वर की उपस्थिति में आ गई है, इस विषय में उसे किसी को बताना है। हाल्लेलुय्या! ठीक है। कोई भी मनुष्य जो परमेश्वर की उपस्थिति में आता है उसकी जिम्मेदारी है परमेश्वर के सामने है उसी मिनट से कि जा कर किसी को बताए। अब्राहम को देखिए, मूसा को देखिए, पतरस को देखें, पौलुस को देखें, जिस क्षण वे परमेश्वर की उपस्थिति में आये, अपने आपको एक "पापियों," के समान पहचाना और अपनी गवाही को अपने जीवन से मोहर किया उस छोटी स्त्री को देखें, वह अधिक देर नही रुक सकी वह नगर को चली गई और लोगों को बताया, "आओ, एक मनुष्य को देखो, जिसने वह बातें बता दी जो मैंने किया। क्या यह मसीहा तो नही?" वे इसका इन्कार नही कर पाये, क्योंकि यह वचनानुसार था। निश्चय ही। हां, उन्हें यह करना ही है, एक मनुष्य, जब दूसरों को बताने की हमारी जिम्मेदारी होती है, जैसे मूसा ने किया, जैसे पतरस ने किया, जैसे पौलुस ने किया, इस बातों के बाद आपने ये देख लिया और उसकी उपस्थिति में आ गए, आपकी जिम्मेदारी है कि संदेश को किसी के पास ले जाये, आप शांत नही बैठ सकते। इसके साथ आपको इसे किसी के पास लेकर जाना ही है।

46 मुझे याद है एक बूढी बहन यहां हुआ करती थी, भाई ग्राहम स्नेलिंग की मां, वह ठीक यहां कलीसिया में बैठा करती थी और वह गाया करती थी, "मैंने जीत लिया है! मैं दौड़, दौड़, दौड़ रही हूं और मैंने जीत लिया है, और मैं बैठ नही सकती।" उसने कुछ पाया था। मैं वहां एक छोटी सी अश्वेतों की कलीसिया में गया था, यहां लुईविल में, और वे सब खड़े होकर गा रहे थे, "मैं राजा के राजमार्ग पर दौड़ रहा हूं, अभी इसे पाया है, और उस राजमार्ग को पा लिया है!"

47 इस विषय में कुछ है, जब आप मसीह को पा लेते हैं, तब आप अधिक शांत नही रह सकते, आप अपने बाकी दिनों में एक बदले हुए व्यक्ति होते हैं, क्योंकि जब जीवन और जीवन एक साथ आते हैं, यह चमकदार उजियाला बनाते हैं सच है। जब बल्ब तार से जुड़ जाता है, यदि यह सही बल्ब है तो इसे उजियाला देना ही है; जब करंट और बल्ब एक साथ मिलते हैं, तो फिर वहां कुछ नही उजियाला फैलता है। यह होना ही है। जब एक पुरुष या एक स्त्री जो पहले से अनंत जीवन के लिए ठहराये हुए हैं, और

वे परमेश्वर का विद्युत प्रवाह देखते हैं उस बल्ब को पकड़ लेता है, यह हर जगह उजियाला फैलाता है, जहां फैला सकता है। हो सकता है आप दस वाट से ऊपर ना हो, परंतु जो उजियाला आप में है आप फैलाएंगे, यदि आप पांच सौ वाट के नही है, तो दस वाट का उजियाला फैलाये। अपना उजियाला दे! "तुम्हारा उजियाला मनुष्यो के सामने चमके, ताकि वे तुम्हारे भले कामों को देखें और पिता की जो स्वर्ग में महिमा करें।" जी हां, श्रीमान।

48 जब एक मनुष्य परमेश्वर के संपर्क में आता है, तो अपने आप को "अच्छा नही पाता।" कैसे एक मनुष्य घूमते हुए शेखी मारे, वह कितना महान है, और सब जो उसने किया है, जबकी वह कुछ नही है? वह आरम्भ से ही कुछ नही है एक दिन मेंप्सी, टेनेसी में, या एक... मैं नही सोचता, यह मेप्सी था यह वही किसी जगहों में से था मैं भाई डेविस के साथ था, और बेदारी में था, हो सकता है यह मेप्सी रहा हो और हम स्टेडियम में गए, और वे वहां पर थे स्टेडियम में नही एक—एक कला संग्रहालय था, और उनका बड़ा सामाजिक स्तर या कि वे दुनिया के अलग अलग भागों से थे, अलग–अलग डरकुलिस और आदि–आदि और महान कलाकारो ने इसे रंगा था। और तब वे एक मनुष्य का विश्लेषण कर रहे थे जो डेढ़ सौ पाउंड का था। आप जानते हैं, क्या उसका क्या मूल्य था? 84 सेंट। बस वह इतना ही था या 84 सेंट का वे सारे—सारे रसायन जो उसमें से निकल सकते थे। इतने ही के, उसने काफी सफेदी मुर्गी के घोसले में कर रखी थी, और उसके पास पर्याप्त था, और थोड़ा सा कैल्शियम, थोड़ा पोटाश। यह सब 84 सेंट का बिकेगा, हम बस इस 84 सेंट की चिंता में लगे रहते और संवारते रहते हैं।

49 वहां दो लड़के खड़े हुए थे, एक ने दूसरे को देखा, बोला "जिम, हमारी कोई ज्यादा कीमत नही है, है ना? "

उसने कहा, "नही, हम नही है, जॉन।"

50 मैंने कहा, "लड़कों, एक मिनट रुको, तुम्हारे पास एक प्राण है जो वहां दस हज़ार जगत है, जो रहा है, परमेश्वर के सामर्थ के द्वारा छुडाया जा सकता है, यदि आप इसे होने दोगे तो? "

51 मनुष्य, जब वो इन चींजो को देखता है, उसकी दूसरो को बताने की जिम्मेदारी होती है। जब मैं बस एक लकड़ा था, मैंने इसे देखा। मैंने सारा

जीवन इस पर लगाया है। मैं केवल इसलिए दुखी हूं कि मेरे पास एक ही जीवन है, इच्छा थी मेरे पास दस हजार होते। यदि मेरे पास अनन्तता होती, मैं फिर भी लोगों को इस विषय में बताता, क्योंकि यह सबसे बड़ी चीज जो मैंने कभी पाई है। यदि आप यहेजकेल 33 में पढ़ेंगे, यहेजकेल का 33 वां अध्याय वहां गुम्मट पर एक चौकीदार बैठा है, और ये चौकीदार सारे नगर के लिए उत्तरदाई है। आमीन। अब, अपने आप को जगाओ जगाओ, अपने आत्मिक अंतकरण को एक मिनट, जबकी मैं इस वचन को ले रहा हूं। वह चौकीदार प्रशिक्षित होना चाहिये, उसे मालूम होना चाहिये कि वह क्या कर रहा है, किसी भी दूरी में, जैसे ही वे उठते है, वे शत्रु वह मालूम कर सकता है, वह उनकी चाल को बता सकता है वह उनका रंग बता सकता है, वह उनके सामन्य सैनिक को बता सकता है, जहां तक मनुष्य की दृष्टि जा सकती है, वह देख सकता है, और वह उन बाकियों से ऊँचा था, क्योंकि वह शत्रु की जानकारी के लिए प्रशिक्षित है। परमेश्वर सारे नगर का हिसाब उससे मांगेगा। "चौकीदार, रात्रि में क्या है? " हाल्लेलुय्या!

52 परमेश्वर के सिपाही आज ऐसे ही है। वे वचन के लिए प्रशिक्षित है। जब कुछ आता है उसमें थोड़ी चमक होती है उसमें कुछ ऐसा है जो वचन के अनुसार नही है वे अपनी मंडली को चेताते हैं। कोई भी चीज बाईबल में नही, कोई भी चीज जो—जो परमेश्वर जैसी नही, जैसे सूप की दावत, नाच और हर चीज जिससे पास्टरो को भुगतान किया जाये। ये चीजें गलत है। बंको खेल और ताशबाजी कलीसिया में, यह गलत है! और एक वास्तविक रखवाला दीवार पर, जो एक समय परमेश्वर की उपस्थिति में था... यदि वह दीवार पर नही है, यदि उसको दीवार पर होना चाहिये, संभव है दीवार बाकी मंडली से अधिक ऊंची ना हो। परंतु यदि सही रखवाला है, परमेश्वर ने उसको अधिक ऊंचे क्षेत्र में उठाया है, वे बाकी वहां कभी नही पहुंच सकते। परंतु वह लोगों को ध्यान करता है, और परमेश्वर उससे पूछेगा! परमेश्वर का जन, जो परमेश्वर की उपस्थिति में खड़ा होता है और जानता है कि परमेश्वर, परमेश्वर है और जानता है कि परमेश्वर अपना वचन बनाए रखता है, और परमेश्वर को कार्य करता देखता है, और अपना कर्तव्य करता और अपना वचन बनाए रखता है, तब कोई मतलब नही कितनी संस्थाएं या नामधारी उसे तोड़ने का यत्न करें, वह शत्रु के सैनिक को पहचानता है, आमीन, वह जानता है कि मंडली को क्या बताना है, एक वास्तविक रखवाला।

53 यदि हम यह मान लेते हैं कि वह है, हम उसकी उपस्थिति में रहे हैं और हमने अपने पापों को मान लिया है, वे उसकी स्मृति की पुस्तक से मिटा दिए गए हैं। कोई नही है सिवाये परमेश्वर के जो यह कर सके। अब, आप कुछ भी कर सकते हैं मेरे साथ, मैं आपको क्षमा कर दूंगा, परंतु मैं इसे स्मरण रखूंगा, यदि मैं आपके साथ कुछ करूंगा, आप मुझे क्षमा कर देंगे, परंतु आप इसे स्मरण रखेंगे, परंतु परमेश्वर क्षमा कर सकता है और इसे भूल सकता है। इस पर सोचे, "इसे स्मरण तक नही करता!" आमीन। इस से मुझे अच्छा लगता है, जब यहां तक कि इसे और याद भी नही करता। परमेश्वर को छोड़ यह और कोई नही कर सकता। उसने कहा वह इसे अपनी स्मृति की पुस्तक से मिटा डालेगा। मैं यह नही कर सकता, आप यह नही कर सकते, क्योंकि हमारे पास यह सीमित चेतना है। परंतु वह अनंत है, परमेश्वर, वह इसे पूरी रीति से भूल सकता है कि यह कभी किया गया था। आमीन।

54 एक युवा लड़की एक गाँव की कलीसिया से आयी, और उसके पिता पुराने ढंग के प्रचार थे चिल्लाने वाला प्रचारक, या एक कलीसिया का सदस्य। और इस प्रकार वह एक शहर में आ गयी, और वह वहां की स्त्रियों के साथ घुल मिल गई, और उनके सम्मान व्यवहार करने लगी जैसे उन्होंने किया और फैशन। और एक दिन वह अपने पिता और माता के कारण लज्जित होने लगी कि वे आ रहे हैं, उसके पिता बल्की उसकी मां की मृत्यु हो गई थी। इसलिए वह बूढा पुरुष, और वह केवल एक कार्य करेगा सुबह उठेगा, अपना नाश्ता किया और बाईबल लेकर पढ़ने लगा, रोने और प्रार्थना करने लगा और पूरे दिन चिल्लाया, और कमरे में ऊपर नीचे भागा, और इस विषय में वह थोड़ी लज्जित थी। इसलिए तब—तब सारे समय सारी रात्रि यदि वह बाईबल पकड़े हैं, वह इसे पढ़ना आरंभ कर देता, वह पलंग पर से उठता, और शोर करता, "परमेश्वर की महिमा हो! हाल्लेलुय्या! ओह, परमेश्वर की महिमा हो!" बस पैर पटकता और आधी रात तक चिल्लाता।

55 एक दिन वह अपनी कलीसिया के सदस्यों को चाय पानी के लिए घर बुलाने वाली थी, जैसा की सदा होता है आप जानते हैं इसलिए वह नही जानती कि वह अपने पिता के साथ क्या करने जा रही है। कुछ भी हो, वे उसके पिता थे, उसने निर्णय लिया कि वह उसे गोदाम में रखेगी और कहती है, "पिताजी, आप वहां नही आना चाहते जहां ये महिलाये होती है, है ना? "

बोला, "नही, मैं विश्वास नही करता कि मैं यह करना चाहता हूं।"

56 उसने कहा, "भई, आज हम अपनी कलीसिया की महिलाओं आज यहां लाना चाहते हैं, और हम एक छोटी सभा करने जा रहे हैं, एक छोटी प्रार्थना सभा। इसलिए मैं—मैं आपको बताती हूं, पिताजी, आप क्यों नही ऊपर उधर गोदाम में चले जाओ? "

कहा, "मैं समझता हूं मैं यही करूंगा।"

57 इसलिए उसने कहा, "यह अच्छी पत्रिका पढ़ ले।" और उसने उसे भूगोल दे दी। और उसकी बाईबल उस से ले ली कि वह शांत रहे, मालूम था कि यदि बाईबल पढेगे, तो यह बहुत शोर मचायेंगे वहां पर। इसलिए वह वहां ऊपर या वहां वह दावत हो रही थी, इसलिए उसने भूगोल की दे दी, "यह अच्छा है, आपको यह पढ़ना चाहिये, पिताजी क्योंकि यह आपको संसार के विषय में सच्चाई बतायेगी।"

अच्छा, बोला, "मुझे यह पढ़कर खुशी होगी।"

58 इसलिए उसने कहा, "अब तू ऊपर चल और बिल्कुल शांत रह जब तक ये महिलाएं यहां से चली ना जाये, और तब फिर मैं... आप वापस नीचे आ जाना, तब आप चाहे जो करना।" वह ये करने के लिए सहमत हो गया। इसलिए वह सीढ़ी से ऊपर चला गया, और वहां बैठ गया।

59 और उन सब की चाय पानी का दौर आरंभ हो गया, और आप जानते *विषयों पर* बातें होने लगी आप जानते हैं, कैसा होता है। और अच्छा समय चल रहा था, और समय के चलते, सीढ़ियों के ऊपर कुछ खुलकर ढीला हो गया और चिल्लाना, कूदना, और पलस्तर छूटकर गिर रहा है। वह बूढ़ा इधर–उधर भाग रहा है, उस गोदाम में कितनी जोर से हो सकता था, ऊपर और नीचे कूद और चिल्ला रहा था, "परमेश्वर की महिमा हो! परमेश्वर की महिमा हो!" महिलाओं को नही मालूम कि ऊपर क्या हुआ, वहां ऊपर क्या है। इसलिए वह सीधा सीढ़ी से नीचे उतर आया, जितनी तेजी से आ सकता था आया।

वह बोली, "पिताजी मैंने आपको पढ़ने के लिए भूगोल दिया था।"

60 बोला, "हां, मैं जानता हूं। आप देखो," बोला, "मैं इस भूगोल में पढ़ रहा था, यहां समुद्र के अंदर जगह है, जिनकी कोई थाह नही है," और कहा, "और बीते कल ही मैंने बाईबल में पढ़ा, उसने कहा है कि मैंने तेरे

पापों को 'भूल जाने वाले सागर' में फेक दिया है परमेश्वर की महिमा हो!... ? ... " बोला, "वे अब भी जा रहे हैं। उनका कोई अंत नही है, वे बस चलते जाते हैं।" यह ठीक बात है। और वह इसी विषय पर चिल्ला रहा था। भई, यह ठीक बात है।

61 परमेश्वर ने हमारे पाप भूल जाने वाले समुंदर में डाल दिए हैं, उनको धो डाला है, और जैसे कि यह कभी हुआ ही नही। ओह, प्रभु! तब हम प्रभु के अनुग्रह के द्वारा खड़े होते हैं, यीशु मसीह में होकर हमारा प्रभु, शुद्ध, और पवित्र, ऐसे ही पवित्र जैसा वह था, जब मैं आता हूं वह मुझे नही देखता, वह अपने पुत्र को देखता है। केवल यही मार्ग है वह देख सकता है... मुझे नही देख सकता, क्योंकि मैं उसके पुत्र में हूं। और वह केवल अपने पुत्र को देखता है। क्या यह अद्भुत नही? अब हमें पापों के विषय में और नही सोचना है, यह सब चला गया, यह लहू के नीचे है। जी हां, श्रीमान। इस विषय में अब और चिंता नही करनी है, यह सब चला गया यह परमेश्वर की स्मृति से चला गया, वह इसे अब और स्मरण नही करता।

62 यशायाह, एक सामर्थी भविष्यवक्ता, जब उसने अपना पाप मान लिया, उसने कहा, "हाय मुझ पर, क्योंकि मैं अशुद्ध होठों वाला मनुष्य हूं।" एक भविष्यवक्ता! "मैं अशुद्ध होठों वाला मनुष्य हूं, और मेरी मंडली अशुद्ध है।" समझे? वे लोग जिनको मैं प्रचार करता हूं, अशुद्ध है। मैं अशुद्ध हूं। और मुझ पर हाय! परंतु यहां एक स्वर्गदूतों का झुंड आता है, परमेश्वर की महिमा से नीचे आता है बादलों को हटाता हुआ और मैं वहां देखता हूं और देखता हूं उसके वस्त्र के छोर से सारा स्वर्ग भर गया, और मैं इन स्वर्गदूतों को देखता हूं उन्होंने कभी नही जाना कि पाप क्या था और उन्हें यह भी नही मालूम था कि पाप क्या था और परमेश्वर की उपस्थिति में, दो पंख उनके मुखों पर, दो पंख उनके पैरों पर, और वे दो पंखों से उड़ रहे थे और वे रात और दिन पुकारते, 'पवित्र, पवित्र, पवित्र प्रभु परमेश्वर है,'" ओह। वह आपको अनुभव करवा देंगे अपवित्र हूं, क्या नही होगा? अब, उसने क्या किया? उसने कहा, "हाय मुझ पर।"

63 अब उसने अपना पाप मान लिया और कहा, "हाय मुझ पर," वह स्वर्गदूत गया और चिमटा लेकर अंगारा लिया, जो की पवित्र आत्मा और आग को दर्शाता है, और आकर भविष्यवक्ता के होठों पर रखता है, और कहा, "मैंने तुझे शुद्ध कर दिया।" तब पंखों को अपने मार्ग के लिए

फड़फड़ाता है, और इस प्रकार से समय के परदे को हटा देता है, और उसने परमेश्वर को बोलते सुना, "हमारे लिए कौन जायेगा? "

64 परंतु इसके बाद उसने पाया कि पापों से छुटकारे का एक मार्ग था, परमेश्वर चाहता है कि उसके लिए कोई जाये, और उसने कहा, "मैं यहां हूं, मुझे भेज।" वह परमेश्वर की उपस्थिति में था, और उसने अपने पापों को मान लिया, और अपने पापों से शुद्ध हो गया और सेवा के लिए तैयार था। आमीन।

65 और जैसा कि कवि ने इसे समझा, और बोला, "लाखों अब पाप और लज्जा में मर रहे हैं, उनकी दुख भरी और कड़वी चिल्लाहट को सुन। भाई, जल्दी करो, जल्दी उन्हें बचाओ; जल्दी उत्तर दो, 'स्वामी मैं यहां पर हूं।'"

66 जब मैं अफ्रीका, भारत, और सारे संसार के लिये सोचता हूं, लाखो मूर्तिपूजक अनुग्रह के लिये चिल्ला और रो रहे है, और कौन जायेगा? उन्हें पुस्तिका देने के लिये नही, परन्तु उन्हें यीशु मसीह के पास लाने के लिये। कोई उसकी उपस्थिति में, जैसे मूसा जो वहां जा सकता था, और उन्हें सच्चा छुटकारा दिखा सकता था। ना कि उन्हें कलीसिया का सदस्य बनाना, या हाथ मिलाकर और मतसार देना, परंतु उनके प्राण को छुटकारा दिलाना; कुछ अच्छे धर्मी लोग। जी हां, यशायाह ने अपने पापों को मान लिया और शुद्ध हो गया था।

67 याकूब के सारी रात मलयुद्ध करने के बाद, अपने पापो को मान लेने में आपको स्मरण है वह स्थान, वह था? यह पनिएल कहलाया, P–e–n–i–t–e–l, पनिएल। इब्रानी में *पनिएल* का अर्थ, "सर्वशक्तिमान परमेश्वर का मुख।" याकूब, छोटा धोखेबाज ने सब कर लिया... उसका नाम *याकूब* था, जिसका अर्थ "धोखेबाज, " है, ये धोखेबाज है, अपने सारे जीवन परमेश्वर से भागता फिरा, परंतु जब वह पनिएल में परमेश्वर की उपस्थिति में आया, परमेश्वर के सामने, परमेश्वर ने उसे पकड़ लिया और उसे छोडेगा नही, परमेश्वर हमें और याकूब चाहिये। वह परमेश्वर के मुख के सामने पकड़ा गया परमेश्वर की उपस्थिति में, वह सूर्य उदय तक टिका रहा। परमेश्वर ने कहा, "मुझे जाने दे, क्योंकि सूर्य उदय हो रहा है।" और वह सूर्य के उदय होने तक परमेश्वर के सामने टीका रहा, परंतु वह न्यायोचित और बचाया जा कर गया। ओह।

68 ओह, यह क्या ही महान चीज थी, अब, यह जानते हुए कि उसने मल्ल युद्ध किया था। यही जो उसने परमेश्वर का चिन्ह देखा था उसने परमेश्वर के विषय में स्वप्न देखे थे, परंतु इस बार वह परमेश्वर के सामने था, परमेश्वर की उपस्थिति में। मित्रों, इस विषय में सोचे। अब, जैसे कि हम जल्दी जल्दी कर रहे है, परमेश्वर की उपस्थिति में, मनुष्य बदल गया। याकूब बदल गया था। अब वह परमेश्वर के साथ चल सकता था। जी हां, अब वह एक भिन्न पुरुष था, बजाये उसके जो वह पहले था, जो वह वहां जाने से पहले था। अब संग्राम पूरा हो गया था। जी हां, श्रीमान। उसने वेदी बनाना आरंभ की आप जानते हैं वह वेदी बनाया करता था। परंतु मैं आपको बताता हूं, जब आप परमेश्वर की उपस्थिति में आते हैं, तो आप कहीं वेदी बनाना चाहते हैं, आप कहीं जहां प्रार्थना कर सकें ढूंढना चाहते हैं, उसने एक वेदी बनाई। वह शुद्ध हो गया था, और परमेश्वर ने जीत लिया।

69 और याकूब अब *याकूब* "चालबाज" से बदलकर, *इस्राएल* हो गया, "एक राजकुमार, परमेश्वर के साथ सामर्थ में।" यही जो याकूब के साथ घटित हुआ। चालबाज, धोखेबाज, अधर्मी, अपवित्र एक धोखेबाज अपने भाई को धोखा दिया, उसका जन्मसिद्ध अधिकार चुरा लिया अपने भाई का, इसे करने के लिए गंदा मार्ग अपनाया, एक धोखेबाज के समान। उसने अपने ससुर को धोखा दिया। पहाड़ी पीपल की छड़ी रखी और धब्बेदार बछड़े बनाये जब गाये वहां गर्भधारण करती वहां आती, उसको देखती और भेड़े... उस चित्तीदार छड़ी को देखती तो चित्तीदार बच्चे देती, उन्हें जन्म का चिन्ह देता। धोखेबाज, अपने ही ससुर को धोखा दे रहा है, अपने मां को धोखा दिया, अपने पिता को धोखा दिया, अपने भाई को धोखा दिया, परंतु जब वह एक बार अंदर आ गया... वह एक धोखेबाज था जहां कहीं भी वह गया वह भागा भागा फिरा, सदा परमेश्वर से भागा वह अपने भाई से भागा, परंतु जब वह परमेश्वर की उपस्थिति में आया, उसने पहचाना कि वह एक पापी था। उसने क्या किया? उसने क्या किया? उसने अपने अवसर को देख लिया। वह कुछ ऐसी चीज से मिला जिसके विषय में उसने पहले कभी नही सोचा और वह वही टिका रहा, जब तक सारे पाप चले नही गए थे। ओह, प्रभु! परमेश्वर ने उसे अपनी उपस्थिति में ले लिया था

70 परमेश्वर ने एक मार्ग कि व्यवस्था की मनुष्यो को अपनी उपस्थिति में ले आये, तब वे अपने निर्णय लेते हैं। कुछ उससे भागते हैं कुछ उसके पास

भागते हैं, यदि वो जीवन के लिए चुने हुए हैं, वे इसका विश्वास करते हैं, वे इसके साथ जुड़ जाते हैं, यदि वे नही, वे इससे दूर होने का यत्न करते हैं और कहते हैं, "इससे कुछ नही होता।" समझे? और यह वह व्यक्ति है जो नष्ट हो गया। "वह व्यक्ति जो पापो को मान लेता है, वह क्षमा पायेगा, यदि आप अपना पाप छिपायेगे, आप फलवंत नही होंगे।" नही।

71 इसलिए याकूब जब वह, आप जानते हैं अगले दिन वह अपने एसाव से मिला। तब उसे उसकी सहायता की बिल्कुल आवश्यकता नही हुई, उसे उसकी सेना की आवश्यकता नही पड़ी। वह वेदी बनाने के काम में लगा रहा, वह एसाव से और ना डरा।

72 भजन संहिता 16:8 में, दाऊद ने कहा, "मैंने अपने प्रभु को अपने सामने रखा है।" ये करने के लिए यही अच्छी चीज है। भजन संहिता 16:8, "मैंने अपने प्रभु को अपने सामने रखा है।" ताकि वह इस विषय में भ्रमित ना हो सके। वह उसकी उपस्थिति के विषय में सचेत हो जाना चाहता था, इसलिए दाऊद ने कहा, "मैंने सदा प्रभु को अपने सामने रखा है, अब, मैं दाऊद ने प्रभु को अपने सामने रखा है, सदा सचेत परमेश्वर की उपस्थिति के लिए सचेत।" क्या यह एक अच्छा पाठ नही होगा आज रात्रि हम सबके लिए, उसे पहले रखें, क्यों? अपने सामने उसे पहले रखें क्यों? आप पाप नही करेंगे, जब आप निरंतर यह अनुभव करेंगे कि आप परमेश्वर की उपस्थिति में है। जब आप अनुभव करते हैं, कि परमेश्वर आपके चारों ओर है, आप क्या कहते हैं, आप ध्यान रखेंगे।

73 एक मनुष्य जब वह सोचता है कि परमेश्वर चला गया, वह कोसेगा, वह स्त्रियों के पीछे मोहित होगा, वह करेगा... वह चोरी करेगा, बेईमानी, झूठ। वह कुछ भी करेगा जब वह सोचता है कि परमेश्वर उसे नही देखता। परंतु उसे परमेश्वर की उपस्थिति में ले आये, वह इसे तुरंत रोक देगा। समझे? और दाऊद ने कहा, "मैंने परमेश्वर को सदा अपने सामने रखा है।" यह एक अच्छी बात है। कोई आश्चर्य नही परमेश्वर ने कहा उसका मन पसंद पुरुष है। मनुष्य हर चीज करेगा, जब वह सोचता है कि परमेश्वर समीप नही है। परंतु जब वह अनुभव करता है कि परमेश्वर समीप है, क्या आपने किसी पापी पर ध्यान दिया है? किसी धर्मी व्यक्ति को जाने दे वह अपनी बकवास बंद कर देगा, यदि उसका थोड़ा भी सम्मान है। समझे? वह गंदे चुटकुले नही सुनाएगा जो उसने सुनाए होंगे। समझे? देखिए वह इसे छोड़

देगा, क्योंकि वह जानता है कि वह परमेश्वर की उपस्थिति में है, क्योंकि परमेश्वर मंदिर में अपने लोगों में रहता है। समझे?

74 इसके बाद जब दाऊद ने यह किया, उसने कहा, "मेरा हृदय आनंदित होगा" मैं चाहता हूं आप इसे भजन संहिता 16 में पढे। "मेरा हृदय आनंदित होगा और मेरा शरीर आशा में विश्राम करेगा।" क्यों? मेरा हृदय आनंदित होगा क्योंकि मैंने परमेश्वर को सारे समय मैंने परमेश्वर को अपने सम्मुख रखा है। "मेरा शरीर आशा में चैन से रहेगा; यदि मैं मर जाऊं, मैं फिर से जी उठूंगा। क्योंकि वह अपने पवित्र जन को कष्ट में नही जाने देगा कि वह सडाहट को देखें, ना ही वह उसके प्राण को अधोलोक में छोड़ेगा।" समझे? जब दाऊद परमेश्वर को अपने सम्मुख रखता है, और वह निरंतर अपने विवेक में परमेश्वर की उपस्थिति में रहता है। "पहले परमेश्वर के राज्य की खोज करो।"

75 अब कलीसिया सुन, मैं तुझ से प्रेम करता हूं। और मैं चाहता हूं कि अब तू मेरी सुने जैसा कि भाई मेककलफ कहां करते थे, "मैं कुछ कहने जा रहा हूं।" सदा प्रभु को अपने सामने रखो, और ऐसा कुछ मत करो, जो आप उसकी उपस्थिति में नही करेंगे, क्योंकि आप पर उसकी दृष्टि बनी हुई है। समझे? प्रभु जो उसका भय मानते हैं उनके चारों और छावनी बना कर रखता है। वह नही... वह ठीक आपके आसपास बना रहता है। और आप जो करते हैं, हर एक बात जानता है, और आपको यह समझ लेना चाहिये, जब आप झूठ बोलना आरंभ करते हैं, यह ना करें स्मरण रखें, परमेश्वर आपकी सुन रहा है। यदि आप बेईमानी शुरू करते हैं, आप यह ना करें, परमेश्वर आपको देख रहा है, यदि आप उसका व्यर्थ में लेना आरंभ करते हैं यह ना करें। परमेश्वर आपकी सुन रहा है। सिगरेट पीना शुरू करते हैं, वह आपको देख रहा है। समझे? उसका... हम एक गाना गाया करते थे, "प्राण के सच्चे निवास के मार्ग पर बढ़ते हुए, एक आंख आपको देख रही है, हर कदम जो आप चलते हैं, यह महान आंख जगी हुई है, एक आंख आपको देख रही है।" याद रखें, दाऊद के समान करें, प्रभु को सदा अपने सामने रखें। तब आपका हृदय आनंदित रहेगा, और आपका शरीर आशा में विश्राम करेगा, क्योंकि उसने इसकी प्रतिज्ञा की है। जी हां, श्रीमान। वह जानता था कि वह उसे जिलायेगा, क्योंकि परमेश्वर ने यह प्रतिज्ञा की है। ठीक है।

76 जब हम उसकी उपस्थिति में आते हैं, हम बदल जाते हैं वैसे कभी नही रहते, युगों में होते हुए देखे जीवन के हर क्षेत्र में मनुष्य में, अब्राहम को देखें। आप कहते हैं, "भई, बदला हुआ जीवन सेवकों के लिए है।" ओह, नही। बदला हुआ जीवन हर एक के लिए है। समझे?

77 अब अब्राहम एक किसान था, परंतु जब उसने परमेश्वर की आवाज सुनी जो उससे बोल रही थी, और वह दर्शन देखा, तो उस समय से वह एक बदला हुआ मनुष्य हो गया। उसने अपने आप को रिश्तेदारों से अलग कर लिया, अपने सारे संबंधियों से, और एक तीर्थ यात्री और एक अपरिचित के समान अनजाने देश में अपने बाकी जीवन में चलने लगा, तंबुओं में रहने लगा, क्योंकि उसने स्पष्ट रूप से इस बात को स्वीकार किया कि वह एक ऐसे नगर की खोज में है, जिसका निर्माण करने और बनाने वाला परमेश्वर था। उसे मालूम था कि एक परमेश्वर था, और कहीं एक नगर था, जिसका रचियता और बनाने वाला परमेश्वर था, यही जो हमें इब्रानियों 11 वा अध्याय बताता है, कि वह एक नगर कि खोज में है, जिसे परमेश्वर ने रचा और बनाया था, वह एक बदला हुआ मनुष्य था, जबकि वह कुछ नही था, सिवाये एक आम किसान के। परंतु उसने एक दर्शन देखा और परमेश्वर की उपस्थिति में आ गया, और तब से वह एक बदला हुआ मनुष्य था।

78 मूसा वह एक चरवाहा था, परंतु वह एक बदला हुआ मनुष्य था जब वह परमेश्वर की उपस्थिति में आ गया वह एक डरपोक और फिरौन के यहां से भागा हुआ था, सारी सेना उसके पीछे। परंतु उसके हाथ में एक छड़ी वह वापस गया और सारे राष्ट्र को ले लिया। समझे? क्यों? वह परमेश्वर की उपस्थिति में आ गया था। वह एक बदला हुआ मनुष्य था, एक चरवाहा।

79 पतरस एक मछुआरा, मछली पकड़ने के... विषय में कुछ नही जानता था परमेश्वर के विषय में, संभवता वह एक ही बात जानता था कि मछली कैसे पकड़े। परंतु जब वह परमेश्वर की उपस्थिति में आ गया और उस महान सृष्टिकर्ता को देखता जो मछली बना सकता था, जब उसने उसे बताया कि पकड़ने के लिए जाल डालो, वहां कोई मछली नही थी, उसने बस अपना जाल खेचा। परंतु उसने कहा, "तेरे कहने पर प्रभु में विश्वास करता हूं कि तू परमेश्वर का पुत्र है, और यदि तू करे... यदि मैं जाल डाल दूं, तूने मुझसे करने को कहा; तेरे कहने पर, क्योंकि तू और तेरा वचन

एक ही है, मैं जाल डालता हूं।" और जब उसने खींचना आरंभ किया, वह बोला, "प्रभु, मेरे पास से चला जा, मैं एक पापी मनुष्य हूं।" एक मछली पकड़ने वाले को देखें, पतरस मसीह से मिलने के बाद। वह फिर कभी भी वैसा नही रहा, वह इसके पश्चात परमेश्वर के लिए इतना सच्चा हो गया, उसे स्वर्ग के राज्य की कुंजी दी गई। जी हां, श्रीमान।

80 पौलुस, स्वयं एक फरीसी, शिक्षित और प्रशिक्षित के सारे धर्मों में... उस संसार के दिन में, राष्ट्र का सबसे जाना माना विद्वान। परंतु जब वह अग्नि स्तंभ के सामने आया एक दिन, वह परमेश्वर जिसे उसने सताया, अज्ञानता में। वह एक फरीसी था, उसने विश्वास नही किया कि परमेश्वर एक मनुष्य था। वह जानता था कि परमेश्वर एक अग्नि स्तंभ था, उसने अपने लोगों को मिस्त्र से निकालने में अगुवाई की ये उन लोगों के साथ साथ था। परंतु जब उसमें वह अग्नि स्तंभ देखा, वह मुंह के बल गिर पड़ा। और उसने एक आवाज को कहते सुना, "शाऊल, तू मुझे क्यों सताता है? "

बोला, "प्रभु तू कौन है? "

81 उसने कहा, "मैं यीशु हूं।" वह एक मनुष्य था, जिसने कहा, "तुम्हारा बपतिस्मा कैसे हुआ था? " वह परमेश्वर की उपस्थिति में था। तब से वह एक बदला हुआ मनुष्य हो गया। वह परमेश्वर की उपस्थिति में था। ये मनुष्य को बदलता है।

82 चार्ल्स जी. फिन्नी, फिलीदेलफिया का एक महान वकील, परन्तु जब वह परमेश्वर की उपस्थिति में आया उसने अपना कानून का अध्ययन छोड़ दिया, और एक जबरदस्त प्रचारक इस राष्ट्र का जो कभी हुआ था।

[टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]... एक प्रचारक था, क्योंकि एक दिन वह परमेश्वर की उपस्थिति में आ गया था। एक बार उसने सोचा था, वह सेवकाई का अध्ययन करेगा। आप उसकी पुस्तक को जानते हैं। मेरे पास उसकी जीवनी है, वह प्रार्थना करने के लिए बाहर गया, सोचा कि वह एक प्रचारक था, उसकी इच्छा थी, जो वह प्रचार करना चाहता था और उसके पास कुछ उद्देश्य थे जिन्हें उसने प्रचार करने कि कोशिश की, एक दिन वह अपने दफ्तर से बाहर चला गया, प्रार्थना करने के लिए जंगल में चला गया, वह एक गिरे हुए पेड़ के पीछे बैठ गया जहां वह दोपहर बाद जाया करता था, बहुत ही धार्मिक, परंतु उसने इसमें विश्वास नही किया।

वहां कलीसिया में दो महिलाएं यह कहती रहती थी, कि, "श्री जी फिन्नी, हम प्रार्थना कर रहे हैं कि आपको पवित्र आत्मा मिलेगा।"

उसने कहा, "मेरे पास पवित्र आत्मा है।" बोला, "मैं प्रचारक हूं।"

83 बोली, "श्रीमान फिन्नी, आप एक महान पुरुष है और वचन पर आपकी अच्छी पकड़ है, परंतु आपको पवित्र आत्मा की आवश्यकता है, हम आपके लिए प्रार्थना कर रहे हैं।" भली छोटी महिलायें।

84 इसलिए वह बढ़ता गया। इसलिए हर दिन वह अपने दफ्तर के पीछे जाता उसका अफसर और वे सारे जहां उसने काम किया, और वह अपने अधिवक्ता के आफिस में गया और वहां प्रार्थना के लिए गया। और एक दिन वह वहां प्रार्थना कर रहा था और उसने, झाड़ियों में खसर खसर की आवाज सुनी। उसने सोचा उसका अफसर आ रहा है, उसे ढूंढते हुए, वह जल्दी से कूदकर खड़ा हो गया। वह कह रहा था, "प्रभु परमेश्वर, मैं आपका विश्वास करता हूं।" और कुछ रगड़ने को आवाज हुई, वह समझा, "हुम! हुम! हुम!" उठा, और बोला, चारों तरफ देखा, देखा कि क्या खसर–खसर था। और यह तब था जब वह परमेश्वर की उपस्थिति में आया। उसने अनुभव किया कि यह आवाज किसी उद्देश्य के लिए थी, वह वहां खड़ा हुआ, और आंसू उसके गालों पर से बह रहे थे। उसने कहा, "हो सकता है, वे महिलाये ठीक थी। मैं लज्जित हो गया कि मुझे कोई मेरे परमेश्वर से बातें करते हुए देखता है, परंतु मैं सोचूंगा कि यह किसी के लिए सम्मान की बात थी कि मुझे मेरे अफसर से बात करते हुए देखता, तो मेरा प्रभु मेरे अफसर से कितना बड़ा है!" कहा, "प्रभु मुझे क्षमा करें, और मुझे पवित्र आत्मा से भर दे," रोने और चिल्लाने लगा, वह परमेश्वर की उपस्थिति में था। वह तुरंत ही अपने ऑफिस की ओर भागा। उसे इतनी जोर से चिल्लाना था कि उसे दरवाजे के पीछे जाना पड़ा, कहा, "प्रभु, मैं आपके ऊपर अपमान लाऊंगा। मुझे इसके पीछे छिपा ले जब तक यह दौर पूरा ना हो जाये।" क्यों? वह परमेश्वर की उपस्थिति में आ गया था, वह बदला हुआ मनुष्य था। वह उपदेश जो वह प्रचारा करता था, उसने वही उपदेश प्रचार किया और बहुत से प्राण वेदी पर आये। देखिए, वह परमेश्वर की उपस्थिति में था।

85 मूडी, एक जूता बनाने वाला, कठिनता से जो क ख ग जानता था। यह ठीक बात है। उसकी व्याकरण खराब थी। किसी ने उसे एक दिन बताया, "तुम्हारी व्याकरण बहुत ही खराब है, श्रीमान, मूडी।"

उसने कहा, "परंतु मैं इसी से ही प्राणों को जीतता हूं।" इसलिए...

86 एक दिन के अखबार, संपादक अखबार लिखने को गया। वह यह देखने को गया कि यह मनुष्य कैसे लोगों की भीड़ को किसी भी स्थिति में रोके रहता है, यह पुराना व्यक्ति गंजे सिर वाला और सारी चीजें, और दाढ़ी नीचे लटकती रहती है, एक प्रकार मोटा सा पेट और देखने में वह भयानक सा व्यक्ति था। इसलिए इस अखबार ने उसके लिए लेख लिखा कहा, "संसार ने इस व्यक्ति में इस डेविट मूडी में जो देखा, मैं नही देखता।" कहा, "वह सुंदर नही, उसकी आवाज कर्कश, उसकी लंबी सी दाढ़ी, उसके पेट तक, उसका सिर कद्दू के समान गंजा।" और कहा, "संसार में कोई कैसे उस मूडी में कुछ देखने जाता है? "

87 मूडी के मैनेजर ने यह देखा, बोला, "श्रीमान मूडी, मैं यह आपके लिए पढ़ता हूं।" मूडी इसे स्वयं नही पढ़ सकता था। इसलिए उसने कहा, "मैं तुम्हारे लिए यह सम्पादकीय पढ़ रहा हूं।" और उसने यह लिखा था।

88 मूड़ी ने बस अपने कंधे उचकाये, बोला, "निश्चय ही नही, वे मसीह को देखने आते हैं।" यही था। क्यों? वह परमेश्वर की उपस्थिति में रहा करता था, जूतों का सोल, बनाने से लोगों के लिए कि पहने; उसने लोगों को सुसमाचार की तैयारी के जूते पहनाये। क्यों? वह परमेश्वर की उपस्थिति में था। ठीक है।

89 एक बार एक छोटी स्त्री परमेश्वर की उपस्थिति में आई, ऐसी दोषी जितनी वह हो सकती थी। एक ही क्षण में जब उसने यह अनुभव कर लिया कि वह परमेश्वर की उपस्थिति में थी, हर पाप क्षमा हो गया और वह शुद्ध और कुमुदनी के समान सफेद थी। ओह, प्रभु। कितने और ढेर सारे हैं, मैं लोगों का ध्यान यहां ले जा सकता हूं, समय अनुमति नही देगा।

90 परंतु मैं थोड़ा सा अपने विषय में बात करना चाहता हूं। मेरे से नीचा और क्या हो सकता होगा? जहां पर मैं था? शराबी परिवार से निकल कर आया हूं, हत्यारों के परिवार से आया हूं, शराब बनाने वाले के परिवार से निकल कर आया हूं। और आप यह जानते हैं, आप में से हर एक यह जानता है, जानते हैं कि हमारा कैसा नाम यहां पर था। लोग हमसे सड़क पर बात नही करते थे। मैं वहां शहर जाऊंगा, किसी से बात करना शुरू करूंगा, मेरे से कोई भी बात नही करेगा, जब तक कोई मेरे आस–पास नही था। वे मुझ

से बातें करेंगे कोई आ गया तो वे मुझे छोड़ जायेंगे। और मैं वहां खड़ा होकर और रोऊंगा। "नही, ये ऐसा नही हो सकता। यह गलत है।"

91 परन्तु एक दिन मैं परमेश्वर की उपस्थिति में आ गया। उसने मुझे बदल दिया, और मुझे दुसरे प्रकार का पुत्र बना दिया। उसका अनुग्रह मुझे उसकी उपस्थिति में ले आया। मैंने इसे कभी भी छोड़ना ना चाहा। मैं यहां लगभग कुछ तीस वर्षों से हूं, मैं इसे छोड़ना नही चाहता मेरे पास आश्वासन है कि मैं सदा वही रहूंगा। यहां तक कि मुझे मृत्यु उसकी उपस्थिति से अलग नही कर सकती है। नही। मैं सदा उसके साथ रहूंगा। जब मैंने उसकी उपस्थिति को पहली बार देखा, मैं यशायाह के समान चिल्लाया, "हाय मुझ पर।" तब उसने मुझे अपने अनुग्रह से छुआ। मैं एक बदला हुआ व्यक्ति था। एक छोटा स्वधर्म त्यागी जो यहां वहां और चल रहा था और हर चीज बदल गई थी और तब से मैं उसका बालक बना रहा। तब से ही, मेरी इच्छा है कि मैं अपना सारा जीवन उसकी सेवा में दे दू, केवल एक इच्छा मेरे पास उसे देने के लिए दस हजार जीवन होते। ये वाला काफी छिन्न भिन्न हो गया है 53 वर्ष निकल गये है, इनमें से लगभग वे 33 रहे या उन में से लगभग 32 सुसमाचार में रहे, मेरी इच्छा है मेरे पास और हजार होते जो मैं खर्च कर सकता। क्यों? जब मैं एक बार उसकी उपस्थिति में हुआ और यह अनुभव किया कि कोई है, जो उन्हें प्रेम करता जिन्हें प्रेम नही मिला, कोई है जिसने मुझ से प्रेम किया है, जब किसी ने नही किया, वहां कोई था जिसने मेरी चिंता की है, जब किसी ने चिंता नही की। मैंने अपनी बाहें उसके क्रूस के चारों ओर डाली, मैंने उसे गले लगाया, और मैं और वह तब एक हो गए और तब से मैंने उससे प्रेम किया है। उसने अपने लहू से मेरी छाती और हृदय पर निशान लगाया है, मुझे छूने और मेरे पापों को क्षमा करने के द्वारा, और आज रात्रि मैं उसका होने में आनंदित हूं। मैंने कभी इच्छा नही की कि इस स्वर्गीय स्थान को छोडू, यधपि बहकाने वाले ने मुझ पर अक्सर उसकाने की कोशिश की है, परंतु मैं उसके तंबू में सुरक्षित हूं, और उसके प्रेम और अनुग्रह में आनंदित हूं, और मैं हाल्लेलुय्या की ओर हूं। ओह! यह मेरे हृदय को आनंदित कर देता है।

92 मैं हर थके व्यक्ति से उसके लिए सिफारिश करता हूं, मैं आपसे उसकी सिफारिश करता हूं, जिसके पास आशा नही है। आप जो कभी भी उसकी उपस्थिति में नही आये, आपको केवल यह करना है कि अपने पापों को मान ले और यह अनुभव करें कि आप गलत है, और परमेश्वर आज रात्रि

उस स्वर्गदूत को ठहरा रखा है, जो पवित्र आत्मा कहलाता है, वह आपके सारे पापों को ले जायेगा। तब आप चिल्लायेंगे, "प्रभु, मैं यहां हूं, मुझे भेज।" तब आप अपने हाथों को उठाकर गाते हैं, "मैं उसकी प्रशंसा करूंगा! मैं उसकी प्रशंसा करूंगा! मेमने की महिमा पापियों के लिए बलिदान हुआ। तुम सारे लोगों, उसको महिमा दो, क्योंकि उसके लहू ने हर दाग को धो डाला।" मैं उस से प्रेम करता हूं। क्या आप नही? उसकी उपस्थिति में जी रहा हूं!

93 मैं इस प्रचार मंच पर आज सुबह आया, अच्छा नही लग रहा था उससे बहुत बीमार... पिछले सप्ताह मैं—मैं केंटकी में था, अपने कुछ खास मित्रों के संग, यहां बैठे हुए हैं। यदि मैं वहां अधिक समय तक टिकता, वे मुझे मार डालते निश्चय ही वे अपनी भलाई से मुझे मार डालते निश्चय ही उनके सबसे अच्छे रसोइए, जो मैंने कभी अपने जीवन में जाने हो, और जब मैं अपनी क्षमता तक पहुंच गया और अधिक हो गया, "भाई ब्रन्हम, आप इसमें से थोड़ा लेंगे? " और यह इतना अच्छा कि मैंने बस इसे नीचे ढकेलने की कोशिश की। मेरा पेट इतना भर गया था कि मैं हिल भी नही पा रहा था। मैं—मैं सो नही सका, मैं उठा और थोड़ी देर तक चाहत टहलता रहा और जब मैं इस सुबह यहां आया। मुझे बहुत अच्छा नही लग रहा था, परंतु जब एक बार मैं उसकी उपस्थिति में आ गया तो इसने इसे ठीक कर दिया। यह ठीक हो गया, तब यह सब गायब हो गया। यह ठीक बात है। ओह, उसकी उपस्थिति में रहना!

मैं उसकी स्तुति करूंगा, मैं उसकी स्तुति करूंगा,
मेमने की स्तुति करो क्योंकि पापियों के लिए बलिदान
हुआ;
तुम सारे लोगों उसे महिमा दो,
क्योंकि उसके लहू ने हर दाग को धो दिया।

आइये अपने सिर को झुकाए।

[भाई ब्रन्हम गुनगुनाना आरंभ करते हैं *मैं उसकी महिमा करूंगा*—सम्पा।]

क्योंकि उसने मेरे लिए बहुत कुछ किया है।
उसने मेरे अपराधों को क्षमा कर दिया,
और उसके लहू ने मेरे पाप को धो दिया।

मैं उसकी स्तुति करूंगा, मैं उसकी स्तुति करूंगा,
मेमने की स्तुति करो क्योंकि पापियों के लिए बलिदान
हुआ;
तुम सारे लोगों उसे महिमा दो,
क्योंकि उसके लहू ने हर दाग को धो दिया।

[भाई ब्रन्हम गुनगुनाना आरंभ करते हैं *मैं उसकी महिमा करूंगा*—सम्पा।]

94 अब यदि आज रात्रि आप यहां पर है... और मैं जानता हूं उसकी उपस्थिति यहां पर है, थोड़ी देर पहले वहां पर खड़ा था छोटी सी चर्च ऑफ गॉड की कलीसिया की लड़की के पास, पवित्र आत्मा मुझ पर मंडराया, जब मैं उस छोटे बच्चे के लिए प्रार्थना कर रहा था, माता पिता एंडरसन चर्च ऑफ गॉड के शिविर से आये थे और वहां देखभाल करने वाले, उस बालक को जानते हैं, डॉक्टर ने कहा "क्या... उसे तो वही लुकिमिया से मर जाना चाहिये।" वह छोटी प्यारी सी लड़की, अब अपनी अंतिम अवस्था में थी। वह वहां वापस आई और अपना छोटा हाथ मुझे पकड़ाया, यह सारा फूल गया उस पर सुईया और चीजें थी और नीला था, मैंने उसे देखा, मैंने एक दर्शन देखा। माता–पिता वहां एक पुस्तक पढ़ रहे थे। उन्हें इस विषय में कुछ भी नही मालूम था। विशेष अभिरक्षक ने उन्हें शिविर में बताया कि बालक को यहां ले आये है। जब हमारी चंगाई सभा थी, तो वे वापस आना चाहते थे। और मैंने कहा, "अब बालक को यहां लाओ," अगुवाई सी महसूस हुई।

95 जब मैं ठीक वहां पर खड़ा हुआ था, पवित्र आत्मा पीछे की ओर गया और बालक की बीती बातें निकाल कर लाया। सब कुछ बताया कि यह कैसे हुआ, उन्होंने क्या किया था, छोटी लड़की की इच्छा जताई कि प्यानो वादक बनना चाहती थी। और मां लगभग चिल्ला पड़ी और उस पिता ने कहा, "ये परमेश्वर का सत्य है।" इस समय वहां कार में बैठा हुआ है, ये सुन रहा है, अंदर नही आ सका; वहां बैठा हुआ सुन रहा है अब।

96 वहां बालक एक बड़ी छाया का पर्दा पाया और बालक पर लटक रहा था। और मैंने कहा, "शैतान, तू हारा हुआ है।" "तू व्यक्ति का सम्मान नही करता है, परमेश्वर का। और तेरी पुनरुत्थान की सामर्थ के द्वारा, और तेरे दास के समान, मैं इस शैतान को बालक में से बाहर करता हूं।" और

उसके सिर पर एक बड़ी ज्योति चमकी और यह हो गया। आमीन। ओह? निश्चय, वह सारी स्तुति के योग्य है!

97 वह सारी बातें जानता है। वह आपके हृदय को जानता है। और आप जानते है कि आप क्या सोच रहे हैं; वह करता भी है। यदि आप में कोई छोटा पाप आज रात्रि है, और आप उसके साथ परमेश्वर की उपस्थिति में नही जाना चाहते हैं, क्या आप एक बार और अपना हाथ उठायें और कहे, "भाई ब्रन्हम, मेरे लिए प्रार्थना कर दे, उस दिन मैं उसकी उपस्थिति में होना चाहता हूं, दोष रहित।" परमेश्वर आपको आशीष दे, बहुत सारे हाथ, परमेश्वर यह देखता है। उसकी उपस्थिति में। अब मैं आपको बताता हूं कि आप क्या करें। अब ध्यान से सुने। दाऊद के समान करें, प्रभु को अब अपने सामने रखें, प्रभु को अपने और अपने पाप के बीच में रखें, जो कुछ भी छोटा पाप घेर रहा है। ये झूठ हो सकता है, चोरी हो सकती है, यह बुराई का विचार हो सकता है, यह क्रोध हो सकता है, मद्यपान हो सकता है, धुम्रपान हो सकता है, जुआ हो सकता है। मैं नही जानता क्या है, यह कामुकता हो सकती है। यह कुछ भी हो सकता है, मैं नही जानता यह क्या है। यह जो भी है, प्रभु को अपने सामने रखें। तब आपका हृदय आनंदित हो जायेगा, और आपकी देह आशा में विश्राम करेगी, क्योंकि आप जानते हैं मसीह ने यह प्रतिज्ञा दी है वह अंतिम दिन जिला उठायेगा। जब वह आता है, हम उसकी समानता में आयेंगे। क्या अब आप इसे करेंगे, जबकि हम प्रार्थना करते हैं?

98 हमारे स्वर्गीय पिता आपके थके मांदे दास के द्वारा यह छोटा सा सन्देश का टुकड़ा। परन्तु बस इस विषय पर सोचते हुए "परमेश्वर की उपस्थिति में वास करना।" और आज रात्रि हम इसका प्रभाव पवित्र मनुष्यों पर देखते है, कि आपकी उपस्थिति में आये, उनके ऊपर क्या प्रभाव पड़ा। संत लोग, महान सामर्थी भविष्यवक्ता परमेश्वर के द्वारा ठहराये हुए, और वचन प्रचार के लिए भेजे गए और उससे आमने–सामने मिले और भूमि पर मरे हुए मनुष्य के समान गिर पड़े। प्रभु, हम उस दिन में क्या करने जा रहे हैं? हमने इस पर विचार किया है। हम इस पर सोच रहे हैं, कुछ चालीस, पचास हाथ इस पर सोच रहे हैं, प्रभु, क्योंकि उन्होंने अभी अपने हाथ उठाये हैं, या हृदय जो हाथ के नीचे है, उससे मिलने के विषय में सोच रहे हैं, जब से हम बोल रहे हैं। यदि उन्हें उससे मिलना पडे तो वे क्या करेंगे?

99 प्रभु मेरे हाथ ऊपर है। मैं क्या करूंगा? अब, पिता, मैंने बहुत सारी बातें जो गलत की है। इस प्रात: मैंने कलीसिया के सामने अपने पाप का अंगीकार किया है, जैसा कि मैंने पहाड़ की चोटी पर स्वीकार किया था, उस प्रात: जब हवा चल रही थी और बर्फ गिर रही थी, वहां उस पहाड़ की चोटी पर कि मैं किस प्रकार चिल्ला पड़ा अपनी मूर्खताओ के लिए आप से क्षमा मांगी। और कैसे अपने भाइयों के सामने आने से डर रहा था, जिनमें से कुछ मुझे आपका दास भविष्यवक्ता के समान सम्मान करते हैं। और, प्रभु, और कैसे मैं उनके सामने आना नही चाहता था कि अपने मूर्खता के व्यवहार को बताऊं, कि मैं इस प्रकार की चीज करूंगा, परंतु परमेश्वर, मेरे प्राण के लिए यही अच्छा है कि मैं अपने पापों का अंगीकार करता हूं और उन्हें छिपाता नही। इसलिए आपके प्रति ईमानदार और ठीक लोगों के सामने, मैंने ये स्वीकार कर लिया प्रभु। मैं गलत हूं, मैं कुल मिलाकर गलत हूं। मैं क्षमा याचना करता हूं।

100 और तब, पिता, मैंने आपके विषय में देर करी कि आपकी सेवा करूं, हो सकता है बहुत बार मैंने अधिक समय लिया, जब मैंने नही किया। पिता, मैं अपने पापों को मानता हूं। मैं चाहता हूं कि परमेश्वर का स्वर्ग दूत मुझे इससे शुद्ध कर दे, यीशु के लहू के द्वारा। आज रात्रि दूसरे हाथ उठे हैं आज रात्रि बहुतों ने इससे पहले कभी क्षमा नही मांगी; परंतु इस बात के लिए मैं निश्चित हूं, यदि हम अपने पापों को मान ले, परमेश्वर उन्हें धो डालेगा और उन्हें भूल जाने वाले समुंद्र के अंदर डाल देगा, और उन्हें फिर कभी भी स्मरण नही—नही करेगा। और पिता जैसे मैं अपने अंगीकार करता हूं, लोगों के सामने दुर्व्यवहार के लिए, मैं स्वयं को मसीह के दास के समान नही चलाया, मुझे भय था कि वह पुरुष मेरे से क्रोधित हो जायेगा और सोचता कि मैं उसकी भावनाओं को आघात नही करना चाह रहा हूं, परंतु मैंने नही सोचा कि मैं आप के साथ क्या कर रहा था, प्रभु। और अब, मैं—मैं प्रार्थना करता हूं कि आप मुझे क्षमा कर दें। और अब, पिता, मैं जानता हूं यदि मैं क्षमा मांगू तो मेरे पाप क्षमा है, और आपने इसे भूल जाने वाले समुंद्र में डाल दिया, और आप उन्हें और याद नही करेंगे। परमेश्वर, मैं इसके लिए धन्यवाद हूं।

101 और मैं प्रार्थना करता हूं कि आप यहां हर व्यक्ति को जिसने पाप किया, किसी भी पाप से घिरा हुआ सामने है, वे इसे हटा दे और दाऊद के समान प्रभु को अपने सामने रखें जैसा दाऊद ने किया। क्योंकि अब हम चिल्ला

उठे, "हाय, मुझ पर क्योंकि मैंने परमेश्वर की महिमा को देख लिया। मैं अशुद्ध होठों वाला मनुष्य हूं, या एक स्त्री या एक अशुद्ध होठों वाली, लड़की, लड़का, या कुछ।" हम चाहे जो भी है, हम अशुद्ध हैं, और हम यीशु मसीह के लहू को मांगते हैं, उचित बलिदान कि हमें सारे पाप से शुद्ध करे, ताकि हम कभी उसकी उपस्थिति में रह सके। आज रात्रि हम यहां से अपने हृदयो में आनंदित होते हुए निकल सके, और हमारे शरीर आशा में विश्राम करें, ये जानते हुए कि जब यीशु आता है, तो उसकी समानता में उसके साथ जी उठेंगे और उससे हवा में मिलेंगे, उठा लिए जाने में जब में, जब अंत में उल्टी गिनती पूरी हो जाती है, हम देखते हैं सातवीं कलीसिया युग पूरा हो गया है, और हम उठा लिए जाने के लिए तैयार है। परमेश्वर, हम प्रार्थना करते हैं कि आप इसके पहले द्वार बंद कर दे, यदि आज रात्रि कोई यहां जो कभी अंदर नही आया, होने पाए वह तुरंत जल्दी करें, क्योंकि हम अनुभव करते हैं कि अनुग्रह का द्वार, जो अनुग्रह और न्याय के बीच है, बंद हो रहा है। वे जो अनुग्रह को स्वीकार करेंगे भीतर चले जायेंगे। वे जो भीतर नही आयेंगे उन्हें न्याय का सामना करना पड़ेगा। परमेश्वर द्वार बंद करता है। होने पाए आज रात्रि द्वार बंद ना हो प्रत्येक के लिए जो पाप का अंगीकार कर रहे हैं। होने पाए हम सबको क्षमा और अनुग्रह मिले। यीशु मसीह के नाम में।

102 पिता, और अब, बीमार और संतप्त है,वे जो आवश्यकता में है, मैं प्रार्थना करता हूं कि आपका अनुग्रह जो उनको आवश्यकता है सब प्रदान करेगा। होने पाये वे मसीह में आ जाये, उसकी उपस्थिति में। मसीह को रखें, मसीह, वह प्रतिज्ञा, "'वह मेरे अपराधों के लिए घायल किया गया,' वह मेरे पाप थे। 'उसके कोड़ो से मुझे चंगाई मिली,' तब मैं प्रभु को अपनी बीमारी के सामने रखता हूं, 'वह मेरी दाहिनी ओर है और मैं ना ड़ीगूंगा,' तब साहस के साथ चलूंगा यह स्वीकार करते हुए कि मैं चंगा हो गया, 'उसके कोड़ो से मैं चंगा हो गया।'" प्रभु, इसे प्रदान करें, उनमें से प्रत्येक को। और हम जानते हैं कि यदि हम अपने हृदय से स्वीकार कर लेते हैं, और या अपने होठों से और अपने हृदयो में विश्वास करते हैं, तब हमें हमारी इच्छा मिलती है।

103 अपने कहा, "जब तुम कुछ कहते हो, विश्वास करो कि यह हो गया है, ये विश्वास करो कि यह हो गया है, तुम पा सकते हो, जो तुमने कहा।" हम विश्वास करते हैं कि पिता और विश्वास करते हैं कि आप हमें हमारे

पापों से शुद्ध कर देंगे, और हमारी सारी बीमारियां चंगी कर देंगे, और हमें अनुग्रह देते हैं प्रभु कि आपकी सेवा करें।

104 इन लोगों के साथ हो। इनमें से बहुत से आज रात्रि अंधेरी सड़को पर यात्रा करेंगे। बहुत से मीलों की यात्रा करेंगे। उन्हें कुछ भी ना होने पाए, प्रभु। वे यहां देश के दूसरे किनारे से यहां बैठकर उल्टी गिनती सुनने आये हैं, ये देखने के लिए कि हम अंत समय के कितने समीप है। अब मैं उनसे कहता हूं कि जाये और परमेश्वर को सदा अपने समक्ष रखें, सदा उनके सामने किसी भी चीज से पहले। उनकी यात्रा से पहले, उनके आगे बढ़ने से पहले, उनके—उनके उठने से पहले—पहले उनके बिस्तरों में जाने के बाद, सदा उनके सोने से पहले, ये जहां भी हो, परमेश्वर को पहले रखे! "क्योंकि वह मेरी दाहिनी ओर है और मैं ना डिगुंगा।" तब होने पाए कि उनके ह्रदय आनंदित हो, कि जान जाये जो उन्होंने मांगा पा लिया है, क्योंकि परमेश्वर ने ये प्रतिज्ञा कि है और उनके शरीर आशा में विश्राम करेंगे। प्रभु, इसे प्रदान करें। क्योंकि हम यह यीशु मसीह के नाम में मांगते हैं। आमीन।

मैं उसकी स्तुति करूंगा, मैं उसकी स्तुति करूंगा
मेमने की स्तुति करो पापियों का बलिदान;
उसको महिमा दो तुम सारे लोगों,
क्योंकि उसके लहू ने सारे दाग धो डाले।

105 अब क्या आप विश्वास करते हैं कि आपने प्रभु को अपने और पापो के बीच में रखा है, अपने और अपनी बीमारियों के बीच, अपने और अपनी गलतियों के बीच, अपने और अपने मार्गों के बीच? "प्रभु सदा मेरे सामने है, और मैं उसकी उपस्थिति में हूं। अगली बार जब मैं सिगरेट जलाऊंगा, तो प्रभु मेरे सामने है। अगली बार जब मैं कामुकता आरम्भ करूं, प्रभु मेरे सामने है। अगली बार जब मैं कुछ गलत बताना आरम्भ करूं प्रभु मेरे सामने है। अगली बार जब मैं बुरी बात कहना आरम्भ करूं, प्रभु मेरे सामने है, और मैं ना डिगुंगा। आमीन। हर दिन मैं उसकी उपस्थिति में रहूंगा, अपने व्यवहार के साथ, हर दिन अपनी चाल में। मैं चलूंगा, जैसे कि यदि प्रभु मेरे सामने है, क्योंकि आज रात्रि मैंने उसे अपने सामने रखा है, मैं ना डिगुंगा।" आप उससे प्रेम करते हैं?

106 अब हम खड़े हो जाये। ओह, मुझे वास्तव में अच्छा अनुभव हो रहा है। मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं घर ना जाऊं, और आप जानते हैं 9 बजने में 25 मिनट है, मैं लगभग दो घंटे पहले हूं। क्या यह अद्भुत नही? ओह, प्रभु! परंतु अब जब हम निकलते हैं, हमें याद रखें, हम यीशु का नाम अपने साथ लेना चाहिये, हर फंदे की ढाल के समान। जब परीक्षाएं हमारे चारो ओर जमा हो... हमें याद रखने का यत्न करें, बस उस पवित्र नाम को प्रार्थना की सांस में ले।

यीशु का नाम अपने साथ ले,
दुख और शोक का बालक;
मैं तुम्हें आनंद और शांति दूंगा,
ओह, जहां कहीं आप जाये इसे ले।

कीमती नाम (कीमती नाम), ओह कितना मीठा!
पृथ्वी की आशा और स्वर्ग का आनंद;
कीमती नाम (कीमती नाम), ओह कितना मीठा!
पृथ्वी की आशा और स्वर्ग का आनंद।

107 कितनों ने हमारे पास्टर भाई नेविल का आनंद लिया? [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।] क्या आप प्रभु के लिए धन्यवादित है, उस की भलाई ईमानदारी, हर दिन का मनुष्य, सुसमाचार का विश्वास करता है? ["आमीन।"] और वह बहुत ही शानदार कार्य कर रहा है, परमेश्वर की आज्ञा पालन करने के द्वारा और वचन का प्रचार और इस महान आत्मिक वातावरण को कलीसिया में सारे समय बनाए रखने में। स्मरण रखें, मैं पूर्वी किनारे पर आया और पार हो कर दक्षिण को चला गया, और ऊपर पश्चिमी किनारा और कनाडा से होते हुए और मैंने एक भी कलीसिया ऐसी आत्मिक नही पाई, जैसी यह कलीसिया यहां पर है। वे बीज पर जा चुके हैं, जी हां, या तो धर्मान्धता या फिर झलझलाहट पर चले गए, या फिर बहुत ठंडे, वे हिल भी नही सकते। बस यही।

108 अब क्या आप एक दूसरे से प्रेम करते हैं? [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।] ओह, एक दूसरे से हाथ मिलाए, और कहे, "प्रभु की स्तुति हो।"

109 [भाई ब्रन्हम लोगों से हाथ मिलाते हैं—सम्पा।] प्रभु की स्तुति हो। प्रभु की स्तुति हो। प्रभु की स्तुति हो, बहन। प्रभु की स्तुति हो। प्रभु की स्तुति हो।

प्रसन्न हूं कि आप यहां हैं, भाई। प्रभु की स्तुति हो, बहन। परमेश्वर आपको आशीष दे। ठीक है। परमेश्वर आपको आशीष दे। हम करेंगे। परमेश्वर आपको आशीष दे। मैं जानता हूं कि आपकी क्या आवश्यकता है। परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे।

यीशु का नाम अपने साथ ले,
हर फंदे की ढाल के समान;
जब परीक्षाएं आप के आस पास जमा हो, (आप क्या करते हैं?)
प्रार्थना में पवित्र नाम की सांस लें।

कीमती नाम (कीमती नाम) ओह कितना मीठा! (ओह कितना मीठा)
पृथ्वी की आशा और स्वर्ग का आनंद;
कीमती नाम (कीमती नाम) ओह कितना मीठा!
पृथ्वी की आशा और स्वर्ग का आनंद।

110 आइए अब अपने सिरो को झुकाए। सही मधुरता में, अब आइए इसे ना भूले। आइए इस पद को फिर से गाये।

यीशु का नाम अपने साथ ले, (किस लिए?)
हर फंदे से एक ढाल के लिए, (जब शैतान आप को फसाने की कोशिश करता है);
जब परीक्षायें ने आस पास हो, (आप क्या करते है)
बस उस पवित्र नाम को सांस में ले।

"क्योंकि प्रभु मेरे सामने है; मैं ना डिगुंगा!"

कीमती नाम (कीमती नाम), ओह कितना मीठा!

भाई नेविल।

उसकी उपस्थिति में HIN62-0909E

(In His Presence)

यह सन्देश भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार शाम, 9 सितम्बर, 1962 को ब्रन्हम टेबरनेकल, जेफरसनविले, इंडियाना, यु.एस.ए में प्रचारित किया गया। इसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोईस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बाँटा गया है।

HINDI

©2018 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org